संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
गुरुवार
18 दिसंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 175
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

एफसीआर डॉ सुमिता मिश्रा ने पंचकूला तहसील कार्यालय का किया दौरा

पेज-8

मोटी-मोटी बातें

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से की भेंट; पंजाब एवं चंडीगढ़ से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली– पंजाब के राज्यपाल तथा चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर तथा केंद्रीय मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत से भेंट की।

इन मुलाकातों के दौरान पंजाब और चंडीगढ़ से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। इनमें अवसंरचना विकास, शहरी नियोजन, सड़क संपर्क, जनकल्याणकारी पहल तथा केंद्र, राज्य और चंडीगढ़ प्रशासन के बीच समन्वित प्रयासों से संबंधित मुद्दे प्रमुख रहे।

श्री कटारिया ने सतत विकास, बेहतर नागरिक सुविधाओं तथा जारी और प्रस्तावित परियोजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि क्षेत्र के नागरिकों को अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर संसद भवन में केंद्रीय मंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू तथा राज्यसभा सांसद श्री सतनाम सिंह संधू ने पंजाब के राज्यपाल का स्वागत किया।

'परमवीर दीर्घा' भारत को नवचेतना से जोड़ने के अभियान का एक उत्तम उदाहरण : पीएम मोदी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में 'परमवीर दीर्घा' का उद्घाटन किया। इस दीर्घा में परमवीर चक्र से सम्मानित सभी 21 वीरों के चित्र प्रदर्शित किए गए हैं। इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खास प्रतिक्रिया दी। पीएम मोदी ने कहा कि परमवीर दीर्घा में देश के अदम्य वीरों के ये चित्र हमारे राष्ट्र रक्षकों को भावभीनी श्रद्धांजलि हैं। एक लंबे कालखंड तक, राष्ट्रपति भवन की गैलरी में ब्रिटिश काल के सैनिकों के चित्र लगे थे। अब उनके स्थान पर, देश के परमवीर विजेताओं के चित्र लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति भवन में परमवीर दीर्घा का निर्माण गुलामी की मानसिकता से निकलकर भारत को नवचेतना से जोड़ने के अभियान का एक उत्तम उदाहरण है।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 'परमवीर दीर्घा' के उद्घाटन की फोटो शेयर करते हुए लिखा, ''हे भारत के परमवीर, है नमन तुम्हें हे प्रखर वीर। ये राष्ट्र कृतज्ञ बलिदानों पर, भारत मां के सम्मानों पर। राष्ट्रपति भवन की परमवीर दीर्घा में देश के अदम्य वीरों के ये चित्र हमारे राष्ट्र रक्षकों को भावभीनी श्रद्धांजलि हैं। जिन वीरों ने अपने सर्वोच्च बलिदान से मातृभूमि की रक्षा की, जिन्होंने भारत की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन दिया, उनके प्रति देश ने एक और रूप में अपनी कृतज्ञता अर्पित की है। देश के परमवीरों की इस दीर्घा को, दो परमवीर चक्र विजेताओं और अन्य विजेताओं के परिवारजनों की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्र को अर्पित किया जाना और भी विशेष है।''

एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, ''एक लंबे कालखंड तक, राष्ट्रपति भवन की गैलरी में ब्रिटिश काल के सैनिकों के चित्र लगे थे। अब उनके स्थान पर, देश के परमवीर विजेताओं के चित्र लगाए गए हैं। राष्ट्रपति भवन में परमवीर दीर्घा का निर्माण गुलामी की मानसिकता से निकलकर भारत को नवचेतना से जोड़ने के अभियान का एक उत्तम उदाहरण है। कुछ साल पहले सरकार ने अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में कई द्वीपों के नाम भी परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखे हैं।''

सुरक्षा चिंताओं को लेकर ढाका में भारत का वीजा ऑफिस बंद, एमईए ने बांग्लादेशी हाई कमिश्नर को किया तलब

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को भारत में बांग्लादेश के हाई कमिश्नर रियाज हमीदुल्लाह को तलब किया। विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश में बिगड़ते सुरक्षा माहौल पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया, जिसमें कुछ कट्टरपंथी लोगों की तरफ से बांग्लादेश में भारतीय हाई कमीशन के आसपास कुछ चिंताजनक हालात पैदा करने की बात कही गई। बांग्लादेशी मीडिया के अनुसार, बांग्लादेश के ढाका में स्थित भारतीय वीजा ऑफिस के बंद होने की जानकारी दी गई है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेशी राजदूत का ध्यान खासतौर पर उन कट्टरपंथी लोगों की गतिविधियों की ओर दिलाया, जिन्होंने ढाका में भारतीय मिशन के आसपास सुरक्षा को लेकर अप्रिय स्थिति बनाने की योजना की घोषणा की है।

इसके अलावा, भारत ने बांग्लादेश में हाल की कुछ घटनाओं के बारे में कट्टरपंथी लोगों द्वारा बनाई जा रही झूठी कहानी को पूरी तरह से खारिज कर दिया। एमईए ने चिंता जताई कि मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने न तो पूरी जांच की है और न ही घटनाओं के बारे में भारत के साथ कोई काम के सबूत साझा किए हैं।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'भारत के बांग्लादेश के लोगों के साथ करीबी और दोस्ताना रिश्ते हैं, जो आजादी की लड़ाई से जुड़े हैं। हम बांग्लादेश में शांति और स्थिरता के पक्ष में हैं। हमने लगातार शांतिपूर्ण माहौल में स्वतंत्र, निष्पक्ष, सबको साथ लेकर चलने वाले और भरोसेमंद चुनाव कराने की मांग की है।'

भारत ने यूनुस की अंतरिम सरकार से कहा कि वह अपनी कूटनीतिक जिम्मेदारियों के हिसाब से बांग्लादेश में भारतीय मिशन और पोस्ट की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

इससे पहले रविवार को, भारत ने यूनुस सरकार के दावों को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उसने पड़ोसी देश में शांतिपूर्ण माहौल में निष्पक्ष, स्वतंत्र, सबको साथ लेकर चलने वाले और भरोसेमंद चुनाव कराने का लगातार समर्थन किया है। भारत की ओर से यह टिप्पणी शेख हसीना के हालिया बयान को लेकर बांग्लादेश में भारतीय राजदूत को तलब किए जाने के बाद आई।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने कभी भी अपनी जमीन का इस्तेमाल बांग्लादेश के लोगों के हितों के खिलाफ कामों के लिए नहीं होने दिया है। भारत बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के 14 दिसंबर 2025 के प्रेस नोट में किए गए दावों को पूरी तरह से खारिज करता है।

दिल्ली में अब केवल बीएस-4 और उससे ऊपर के मानक वाले वाहन ही चल सकेंगे: सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली– उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को स्पष्ट किया कि दिल्ली में केवल ऐसे वाहनों को ही चलने की अनुमति दी जाएगी जो बीएस-4 उत्सर्जन मानक या उससे ऊपर की श्रेणी के हैं।

न्यायालय के इस नए स्पष्टीकरण के बाद अब अधिकारी उन पुराने वाहनों के खिलाफ कार्रवाई कर सकेंगे जो बीएस-चार मानकों को पूरा नहीं करते हैं। वहीं बीएस-4 या नये वाहनों को उनकी समय सीमा पूरी होने के बावजूद चलाने की अनुमति है।

न्यायालय का यह नवीनतम आदेश, उसके गत 12 अगस्त के उस पिछले आदेश में संशोधन करता है, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में दस साल से अधिक पुराने डीजल वाहनों और पंद्रह साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने पर रोक लगा दी गई थी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जोयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल पांचोली की पीठ ने दिल्ली सरकार की उस याचिका पर यह स्पष्टीकरण जारी किया, जिसमें शहर में बिगड़ती वायु गुणवत्ता को देखते हुए पुराने वाहनों पर कार्रवाई की अनुमति मांगी गई थी।

दिल्ली सरकार की ओर से पेश अपर सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने न्यायालय से आग्रह किया कि 12 अगस्त के आदेश में संशोधन किया जाए ताकि बीएस-3 तक के उत्सर्जन मानकों वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके। उन्होंने दलील दी कि पुराने वाहनों के उत्सर्जन मानक बहुत खराब हैं और वे प्रदूषण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। वायु प्रदूषण मामले में न्याय मित्र वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने भी इस दलील का समर्थन किया।

पीठ ने दलीलों को दर्ज करते हुए निर्देश दिया कि 12 अगस्त के आदेश को उस सीमा तक संशोधित किया जाता है कि उन वाहन मालिकों के खिलाफ कोई कठोर कदम नहीं उठाया जाएगा जो बीएस-4 और उससे नए हैं, भले ही वे डीजल इंजन के मामले में दस साल और पेट्रोल इंजन के मामले में पंद्रह साल की सीमा पार कर चुके हों।

उल्लेखनीय है कि 2015 में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए दिल्ली-एनसीआर में दस साल से अधिक पुराने डीजल और पंद्रह साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों के चलने पर रोक लगाने का निर्देश दिया था, जिसे 2018 में उच्चतम न्यायालय ने बरकरार रखा था।

मोदी ने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किए जाने पर इथियोपिया का आभार व्यक्त किया

अदीस अबाबा– प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इथियोपिया के सर्वोच्च सम्मान 'ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया' से उन्हें सम्मानित किए जाने पर बुधवार को इथियोपियाई सरकार एवं देशवासियों का आभार व्यक्त किया।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स कहा, 'कल शाम मुझे 'ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया' से सम्मानित करने के लिए इथियोपिया के लोगों और सरकार के साथ-साथ प्रधानमंत्री अबी अहमद अली का आभारी हूं। दुनिया की सबसे प्राचीन और समृद्ध सभ्यताओं में से एक द्वारा सम्मानित होना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। यह सम्मान उन अनगिनत भारतीयों का है जिन्होंने वर्षों से हमारी साझेदारी को मजबूत किया है।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'भारत उभरती वैश्विक चुनौतियों से निपटने और नए अवसर पैदा करने के लिए इथियोपिया के साथ सहयोग को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।' उन्होंने दोनों देशों के बीच समझौतों को भारत और इथियोपिया के बीच लंबे समय से चली आ रही और भरोसेमंद साझेदारी में महत्वपूर्ण कदम बताया।

उन्होंने कहा, 'शासन और शांति स्थापना से लेकर डिजिटल क्षमता और शिक्षा तक, हमारा ध्यान अपने लोगों को सशक्त बनाने पर है। ज्ञान, कौशल और नवाचार पर जोर कल के कर्णधारों के रूप में युवाओं में हमारे साझा विश्वास को रेखांकित करता है।'

उन्होंने यह भी कहा कि स्वास्थ्य सेवा में सहयोग 'मानवीय गरिमा और सबसे कमजोर लोगों की देखभाल के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'

श्री मोदी ने कहा कि ये परिणाम विकास और जन-केंद्रित विकास पर केंद्रित भारत-इथियोपिया साझेदारी को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए कई समझौते हुए। दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया, सीमा शुल्क मामलों में सहयोग और आपसी प्रशासनिक सहायता पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

भारत एआई मॉडल्स के लिए दुनिया का सबसे बड़ा बाजार, सस्ते डेटा के चलते तेजी से हो रहा विस्तार: बोफा

नई दिल्ली। भारत लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) अपनाने के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा और एक्टिव बाजार बन गया है। यह जानकारी बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) की ओर से बुधवार को दी गई। देश में चैटजीपीटी, जैमिनी और पर्प्लेक्सिटी जैसे एआई ऐप पर मासिक एक्टिव यूजर्स (एमएयू) और डेली एक्टिव यूजर्स (डीएयू) की संख्या दुनिया में सबसे अधिक है।

बोफा ने कहा कि भारत का एक प्रमुख एआई बाजार के रूप में तेजी से उभरना व्यापकता, किफायती उपलब्धता और जनसांख्यिकी के संयोजन से प्रेरित है।

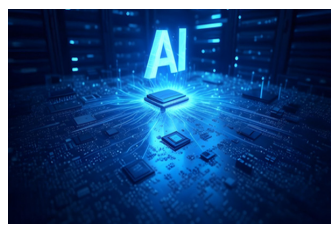

भारत में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी ऑनलाइन आबादी है, जिसमें 700-750 मिलियन से अधिक मोबाइल इंटरनेट यूजर्स हैं।

किफायती डेटा प्लान ने एआई तक पहुंच को आसान बना दिया है, जिससे यूजर्स लगभग 2 डॉलर में प्रति माह 20-30 जीबी डेटा का उपयोग कर सकते हैं।

इसके अलावा, भारत में इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों में से 60 प्रतिशत से अधिक 35 वर्ष से कम आयु के हैं और इस आबादी का एक बड़ा हिस्सा अंग्रेजी बोलने वाला है और नई तकनीकों को तेजी से अपनाता है।

भारत में दूरसंचार कंपनियों द्वारा भी एआई को अपनाने को बढ़ावा दिया जा रहा है। बोफा ने बताया कि जियो और भारती एयरटेल जैसी दूरसंचार कंपनियां जेमिनी और परप्लेक्सिटी जैसे एआई ऐप्स के सशुल्क संस्करणों की मुफ्त सदस्यता प्रदान कर रही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, इससे उपयोगकर्ताओं, एआई कंपनियों और दूरसंचार ऑपरेटरों के लिए लाभकारी स्थिति बन रही है। उपभोक्ताओं के लिए, कम लागत पर उन्नत एआई उपकरणों तक पहुंच एक समान अवसर प्रदान करने में सहायक हो रही है। भारतीय उपयोगकर्ता इन उपकरणों का उपयोग सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए कर रहे हैं।

कबड्डी खिलाड़ी की हत्या मामले में मुख्य आरोपी को पुलिस मुठभेड़ में किया बेअसर, दो पुलिसकर्मी भी हुये घायल

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़/एसएएस नगर(ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रही मुहिम के दौरान एसएएस नगर जिला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कबड्डी खिलाड़ी की हत्या मामले में शामिल मुख्य आरोपी को पुलिस टीमों द्वारा की गई जवाबी गोलीबारी के दौरान बेअसर कर दिया गया। बुधवार को लालड़ू में हुई इस मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) एसएएस नगर हरमनदीप हंस ने मीडिया को संबोधित करते हुए आरोपी की पहचान हरपिंदर उर्फ मिड्ढी के रूप में की, जो तरनतारन के नौशहरा पन्नुआं का रहने वाला है। उन्होंने कहा कि गोलीबारी के दौरान उक्त आरोपी को गोलियां लगीं और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार, कबड्डी खिलाड़ी-कम-प्रमोटर कंवर दिग्विजय सिंह उर्फ राणा बलाचौरिया की 15 दिसंबर को मोहाली में हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

पुलिस टीमों ने इस मामले के मास्टरमाइंड को भी गिरफ्तार कर लिया है, जिसकी पहचान तरनतारन के रहने वाले ऐशदीप सिंह के रूप में हुई है और वह इस समय रूस में रह रहा था। ऐशदीप, जो डोनी बल के निर्देशों पर इस हत्या को अंजाम देने के लिए 25 नवंबर को भारत आया था, को दिल्ली हवाई अड्डे से उस समय गिरफ्तार कर लिया गया जब वह मस्कट भागने की योजना बना रहा था।

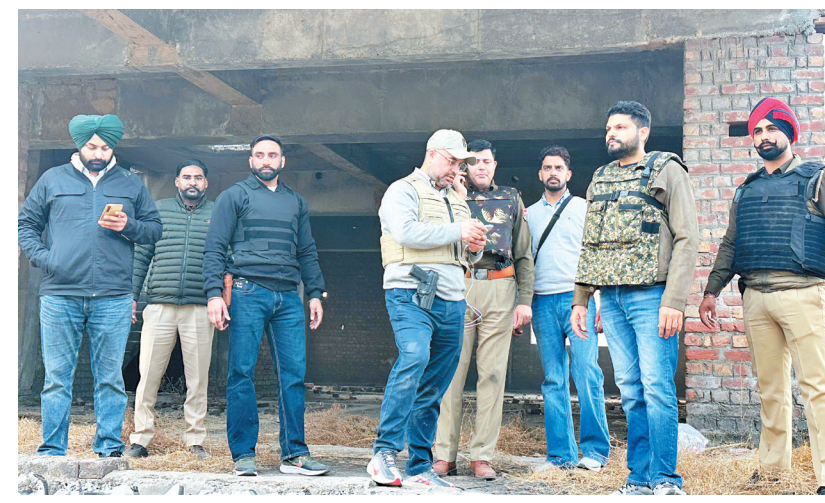

एसएसपी ने कहा कि आरोपी ऐशदीप सिंह द्वारा उसके साथी हरपिंदर मिड्ढी, जिसने गोलीबारी करने वालों की सहायता की थी और जो उसके साथ फरार होने की फिराक में था, के बारे में दी गई जानकारी पर सक्रियता से कार्रवाई करते हुए डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (डीएसपी) डेराबस्सी बिक्रमजीत सिंह बराड़ की अगुवाई में इंस्पेक्टर सुमित मोर, इंस्पेक्टर पुष्विंदर सिंह और इंस्पेक्टर मलकीत सिंह की पुलिस पार्टियों ने लालड़ू में झरमल नदी के पास अंबाला-लालड़ू हाईवे पर उक्त बताए गए ठिकाने पर छापेमारी की।

उन्होंने कहा कि पुलिस पार्टी को देखकर संदिग्ध हरपिंदर मिड्ढी ने पुलिस पार्टी पर गोलीबारी की, जिस कारण दो पुलिसकर्मी - हेड कांस्टेबल गुलाब सिंह और कुमार शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। आत्मरक्षा में जब पुलिस पार्टी ने जवाबी गोलीबारी की तो संदिग्ध घायल हो गया और उसे सिविल अस्पताल डेराबस्सी ले जाया गया, जहां घावों के असहनीय दर्द के कारण वह दम तोड़ गया।

एसएसपी हरमनदीप हंस ने कहा कि पुलिस ने इस मामले में शामिल एक अन्य आरोपी, जिसकी पहचान जुगराज सिंह के रूप में हुई है, को अमृतसर ग्रामीण पुलिस की मदद से गिरफ्तार कर लिया है।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे 15 दिन में हो जाएगा चालू, दो घंटे का हो जाएगा सफर

नयी दिल्ली– सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे शुरू होने के बाद राष्ट्रीय राजधानी से उत्तराखंड की राजधानी की दूरी मात्र दो घंटे में तय की जा सकेगी और इसके उद्घघाटन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से समय मांगा गया है।

गडकरी ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के जवाब में उम्मीद जतायी कि यह एक्सप्रेसवे करीब पंद्रह दिनों में चालू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे बनाया है जिसके चलते मेरठ जाने में अब 45 मिनट लगते हैं जबकि पहले साढ़े तीन घंटे का समय लगता था।

गडकरी ने कहा कि सरकार अब दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे बनवा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर से इसके प्रायोगिक परिचालन को मंजूरी दे दी गयी है। उन्होंने कहा कि यह मार्ग शुरू होने से दिल्ली से देहरादून दो घंटे में पहुंचा जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि इस मार्ग को शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से समय मांगा गया है, और यह पंद्रह दिन में शुरू हो जाएगा। इसके शुरू होने से दिल्ली-मेरठ मार्ग पर परिवहन काफी कम हो जाएगा। गडकरी ने कहा कि लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने मेरठ में अंदरूनी रिंग रोड बनाने का जो सुझाव दिया है, सरकार उस पर विचार करेगी।

वाजपेयी ने पूरक प्रश्न के जरिये सरकार से जानना चाहा था कि क्या वह मेरठ में अंदरूनी रिंग रोड बनाने पर विचार कर रही है? दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे एक निर्माणाधीन परियोजना है, जो लगभग 210 किमी लंबी है और दिल्ली से देहरादून की यात्रा को 6-7 घंटे से घटाकर केवल 2.5 घंटे कर देगी। इसका एक हिस्सा (अक्षरधाम से ईपीई जंक्शन तक) परीक्षण के लिए खोला जा चुका है।

टोल नाकों पर कैमरों से सारा काम होने के कारण रोज होने वाले झगड़ों से मिलेगा छुटकारा : गडकरी

टोल नाकों पर विवाद और मारपीट की घटनाएं होने की बात स्वीकार करते हुए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि अब यहां कैमरे लगने के कारण कोई व्यक्ति नहीं रहेगा, जिससे विवाद की आशंका समाप्त हो जाएगी।

गडकरी ने राज्यसभा में पूरक प्रश्नों के जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा, ''अभी कोई व्यक्ति नहीं खड़ा रहेगा टोल नाकों पर। कोई रोकेगा नहीं, कोई टोकेगा नहीं, कोई झगड़ेगा नहीं, कोई गुंडागर्दी नहीं।'' उन्होंने कहा कि वहां कैमरा काम करेगा और एक प्रकार से यह समस्या समाप्त हो जाएगी। भारतीय जनता पार्टी के लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने उनसे प्रश्न पूछा कि टोल नाकों पर होने वाली हिंसक घटनाओं और झगड़ों को रोकने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

इसके जवाब में गडकरी ने स्वीकार किया कि टोल नाकों पर पहलवान और विशेष तरह के लोग रहते थे। उन्होंने स्वीकार किया कि ऐसे लोग, ''गुंडागर्दी करते थे, जबरदस्ती करते थे, लाठियां मारते थे, अपमानजनक व्यवहार करते थे...यह सच है। अब इन सब की छुट्टी हो जाएगी। अब कोई दिखेगा नहीं, आप चिंता मत करिए।''

गडकरी ने टैग योजना के बारे में पूछे गये एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि देश में करीब एक हजार टोल नाके हैं जहां पहले नकदी से लेनदेन होता था और फिर फास्ट टैग व्यवस्था शुरू की गयी। उन्होंने कहा कि अब मल्टी लेयर व्यवस्था की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा कि इस नयी व्यवस्था के लिए दस अनुबंध दिये गये हैं और दस अभी प्रक्रियागत हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने तय किया है कि दिसंबर 2026 तक पूरे देश में यह व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। परिवहन मंत्री ने कहा कि फास्ट टैग से संबंधित धोखाधड़ी के 6,725 मामले सामने आये हैं। उन्होंने कहा कि अभी सरकार ने 'एक वाहन, एक फास्ट टैग' की नीति शुरू की है, फिर इसमें नंबर प्लेट को भी जोड़ा जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस नयी नीति के कारण किसी वाहन के लिए फास्ट टैग लेना और उससे कोई अन्य वाहन टोल से निकल जाने की घटनाएं बहुत ही कम हो गयी हैं।

'शांति' विधेयक ऐतिहासिक है, राष्ट्र को नयी दिशा देगा: जितेंद्र सिंह

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति देने संबंधी विधेयक एक ऐतिहासिक कदम है और यह मील का पत्थर साबित होगा तथा राष्ट्र को नयी दिशा देगा।

उन्होंने 'भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक, 2025' को सदन में चर्चा और पारित कराने के लिए रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही इस तरह के बड़े फैसले ले सकते हैं।

परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री ने कहा, ''यह एक ऐतिहासिक विधेयक है। संसद के इतिहास में वर्षों बाद कोई ऐसा क्षण आता है जब सदस्यों को ऐसा मौका मिलता है कि वे राष्ट्र की यात्रा को एक नयी दिशा दे सकें।'' उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस विधेयक को मील के पत्थर के रूप में उल्लेखित किया जाएगा।

सिंह ने कहा, ''भारत की भौगोलिक स्तर पर भूमिका बढ़ रही है और ऐसे में हमें वैश्विक मानकों के अनुरूप होना होगा...दुनिया स्वच्छ ऊर्जा की तरफ बढ़ गया है...बढ़ती ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने और 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए यह महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने उल्लेख किया कि परमाणु ऊर्जा को 100 गीगावाट तक पहुंचाने का लक्ष्य है, जो फिलहाल आठ गीगावाट से अधिक है।

मुंबई समेत बड़े शहरों में रेलवे स्टेशनों की क्षमता बढ़ाने का काम तेजी से चल रहा है: वैष्णव

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि मुंबई समेत देश के अन्य बड़े शहरों में रेलवे स्टेशनों की क्षमता बढ़ाने का काम बहुत तेजी से चल रहा है। वैष्णव ने लोकसभा में प्रश्नकाल में कहा कि मुंबई के लिए 238 नई रेलगाड़ियों की खरीद की प्रक्रिया जारी है जो 'ऑटो डोर क्लोज' सुविधा वाली होंगी।

उन्होंने महाराष्ट्र के पालघर से भाजपा सांसद हेमंत विष्णु सवरा के पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए मुंबई शहर के और उसके आसपास के विभिन्न स्टेशनों-पालघर, पनवेल, बांद्रा, जोगेश्वरी, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, परेल और कल्याण में प्लेटफॉर्म की संख्या बढ़ाने, लंबाई बढ़ाने आदि की जानकारी विस्तार से दी।

वैष्णव ने कहा, ''देश में अमृत भारत योजना में जितने भी स्टेशन लिए गए हैं, उन पर काम तेजी से चल रहा है।''

संघोई, घुमारों व मांगू गांव के प्रभावितों को निर्धारित समयावधि में प्रतिबद्ध देनदारियों प्रदान करने के निर्देश - निशांत तोमर

सोलन। उपमण्डलाधिकारी अर्की निशांत तोमर ने कहा कि अम्बुजा सीमेंट कम्पनी दाड़लाघाट को निर्देश दिए गए हैं कि उपमण्डल के संघोई, घुमारों व मांगू गांव के प्रभावितों को पुनर्वास एवं पुर्नस्थापन समझौते के तहत प्रतिबद्ध देनदारियां निर्धारित समयावधि में प्रदान की जाएं ।उपमण्डलाधिकारी गत सांय इन गांव के प्रभावितों के साथ आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में अम्बुजा सीमेंट कम्पनी के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। निशांत तोमर ने कहा कि बैठक में कम्पनी के प्रतिनिधियों ने आश्वस्त किया कि प्रतिबद्ध देनदारियां शीघ्र प्रदान की जाएंगी। उन्होंने इन गांवों के ऐसे प्रभावितों की सूची उपलब्ध करवाने का आग्रह किया जिन्हें अभी तक प्रतिबद्ध देनदारियां नहीं दी गई हैं।

उपमण्डलाधिकारी ने बैठक में नायब तहसीलदार दाड़लाघाट को निर्देश दिए कि ऐसे प्रभावितों की सूची तैयार की जाए जिनके घर व भूमि अधिग्रहित हुई है और जिन्हें अभी तक प्रतिबद्ध मुआवज़ा प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि यह सूची कम्पनी को दी जाएगी ताकि इस पर शीघ्र कार्यवाही की जा सके ।बैठक में एक समिति गठित करने का निर्णय भी लिया गया। यह समिति अम्बुजा सीमेंट दाड़लाघाट द्वारा की जा रही ब्लास्टिंग के कारण प्रभावितों को होने वाले नुकसान की समीक्षा करेगी। समिति में राजस्व,

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों सहित सम्बन्धित ग्राम पंचायतों के प्रधान एवं वार्ड सदस्य सम्मिलित होंगे। निशांत तोमर ने कहा कि बैठक में प्रभावित गांव के ग्रामीणों ने सम्पर्क मार्ग के कार्य को शीघ्र पूरा करने की मांग की। उन्होंने कहा कि अम्बुजा सीमेंट कम्पनी के प्रतिनिधियों ने इस सम्बन्ध में शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित ग्राम पंचायतों के प्रभावितों द्वारा अवगत करवाया गया कि सम्पर्क मार्ग की उचित देख-रेख एवं मुरम्मत न होने के कारण बारिश के समय पानी खेत व घरों में नुकसान पहुंचा रहा है। इस सम्पर्क मार्ग की मुरम्मत एवं देख-रेख का उत्तरदायित्व कम्पनी का है ।उपमण्डलाधिकारी ने इस सम्बन्ध में कम्पनी प्रतिनिधियों को शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कम्पनी द्वारा इस समस्या का शीघ्र निदान करने का आश्वासन दिया गया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में ब्लास्टिंग के कारण धूल इत्यादि से होने वाले प्रदूषण से बचाव के लिए कम्पनी को नियमित जल छिड़काव के निर्देश भी दिए गए हैं ।निशांत तोमर ने कहा कि बैठक में सम्बन्धित ग्राम वासियों एवं कम्पनी प्रतिनिधियों के साथ विभिन्न मामलों पर सारगर्भित चर्चा की गई। अधिग्रहित भूमि के मालिकों द्वारा प्रदेश सरकार की योजना अनुसार उनके परिजनों को रोज़गार का मामला भी उठाया गया ।उन्होंने कहा कि सभी मामलों को निर्धारित समयावधि में सुलझाने का निर्णय लिया गया ।ग्राम वासियों एवं कम्पनी प्रतिनिधियों ने इस सम्बन्ध में आगामी बैठक में मामले सुलझाने पर सहमति जताई।

मुख्यमंत्री ने पेंशनरों के योगदान को किया नमन

कर्मचारियों एवं पेंशनरों के एरियर पर कुल 2,155 करोड़ रुपये खर्चः मुख्यमंत्री

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने पेंशनर्स दिवस के अवसर पर आज बिलासपुर जिला के घुमारवीं में हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में संबोधित करते हुए कहा कि यह दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि उन सेवाओं, त्याग और समर्पण को नमन करने का अवसर है, जिनके बल पर हिमाचल प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था सशक्त और सुचारू बनी हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेंशनरों ने अपने सेवाकाल में ईमानदारी, निष्ठा और कर्तव्यबोध के साथ कार्य करते हुए प्रदेश और सरकार की नींव को मजबूत किया है। आज जो संस्थाएं सुदृढ़ हैं और व्यवस्थाएं प्रभावी ढंग से कार्य कर रही हैं, उसके पीछे सेवानिवृत्त कर्मचारियों का अथक परिश्रम और बहुमूल्य अनुभव निहित है। प्रदेश सरकार उनके इस अमूल्य योगदान के प्रति सदैव कृतज्ञ रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कर्मचारियों और पेंशनरों के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सत्ता संभालते ही पहली कैबिनेट बैठक में अपने वायदे को निभाते हुए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को बहाल किया गया। उन्होंने कहा कि ओपीएस बहाली से प्रदेश के 1.36 लाख कर्मचारियों को सम्मान, सुरक्षा और भरोसे का संबल मिला है। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकार के दौरान वेतन और पेंशन से जुड़ी जो बड़ी बकाया राशि प्रदेश पर छोड़ी गई थी, उसे भी वर्तमान सरकार चरणबद्ध और व्यवस्थित तरीके से अदा कर रही है।

राज्य सरकार ने प्राथमिकता के आधार पर 75 वर्ष या इससे अधिक उम्र के पेंशनरों/पारिवारिक पेंशनरों को उनके बकाया पेंशन/पारिवारिक पेंशन एरियर का पूरा भुगतान कर दिया है। पिछली सरकार ने केवल 20 प्रतिशत एरियर का भुगतान किया था। प्रदेश सरकार ने 80 प्रतिशत एरियर का भुगतान किया है। सरकार ने 70 वर्ष से अधिक उम्र के पेंशनरों/पारिवारिक पेंशनरों को उनके कुल पेंशन/पारिवारिक पेंशन के एरियर का 70 प्रतिशत का भुगतान कर दिया है। पिछली सरकार ने 20 प्रतिशत एरियर का भुगतान किया था, जबकि प्रदेश सरकार ने इस वर्ग के पेंशनरों को 50 प्रतिशत एरियर का भुगतान किया है। इन पेंशनरों के बकाया एरियर का भुगतान 40 दिन के भीतर कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 65 से 70 वर्ष की आयु वर्ग के पेंशनर्स के कुल एरियर का 38 प्रतिशत भुगतान कर दिया है। पिछली सरकार ने 20 प्रतिशत एरियर का भुगतान किया गया था, जबकि हमारी सरकार ने गंभीर वित्तीय स्थिति के बावजूद अतिरिक्त 18 प्रतिशत एरियर का भुगतान किया है। इस पर 75 करोड़ रुपये खर्च हुआ है।

उन्होंने कहा कि 65 वर्ष से कम आयु के पेंशनर्स को 35 प्रतिशत एरियर का भुगतान कर दिया गया है। पिछली सरकार ने 20 प्रतिशत एरियर का भुगतान किया है, जबकि हमारी सरकार ने अब तक अतिरिक्त 15 प्रतिशत एरियर का भुगतान किया है। इस पर कुल 110 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार ने 1 जनवरी, 2016 से 31 दिसम्बर, 2021 तक के सेवानिवृत कर्मचारियों को उनके ग्रेच्युटी एरियर के 20 प्रतिशत भाग का भुगतान कर दिया गया है। बकाया एरियर का भुगतान चरणबद्ध तरीके से किया जायेगा और प्रदेश सरकार इस बारे में आगामी बजट से पहले निर्णय लेगी।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा कर्मचारियों के वेतन के एरियर की किश्त के तौर पर 50 हजार रुपये प्रथम श्रेणी से तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों तथा 60 हजार रुपये चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को भुगतान किया जा चुका है। इस पर 800 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। राज्य सरकार द्वारा चतुर्थ श्रेणी के सभी कर्मचारियों को उनके वेतन एरियर का अतिरिक्त 20 हजार रुपये का भुगतान 19 अक्तूबर, 2024 को किया गया। इस पर 100 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। अब तक प्रदेश सरकार द्वारा कर्मचारियों व पेंशनरों के एरियर पर कुल 2155 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी कुछ समय पहले हमने चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को पेंशन का लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से उनके पांच साल की दैनिक सेवा के बदले एक साल की क्वालिफाइंग सर्विस का लाभ, पेंशन गणना के लिए दिया है। प्रदेश सरकार ने राज्य को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए आर्थिक

मुख्यमंत्री ने घुमारवीं विस में समर्पित कीं 69 करोड़ रुपये की विकासात्मक परियोजनाएं

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज ज़िला बिलासपुर के घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र के अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान जनता को लगभग 69 करोड़ रुपये के विकासात्मक कार्यों की सौग़ात दी। इनमें दो उद्घाटन तथा पांच शिलान्यास कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने 4.82 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पुलिस थाना घुमारवीं तथा 3.67 करोड़ रुपये की लागत से सीर खड्ड में निर्मित चैक डैम एवं डाईक के कार्यों का उद्घाटन किया। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने टिक्करी हेलिपैड, घुमारवीं के समीप 6.08 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले बहुउद्देशीय खेल परिसर, पुलिस थाना, घुमारवीं में छह करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले फैमिली क्वार्टर, 6.13 करोड़ रुपये की लागत से अपग्रेड होने वाली सात किलोमीटर लंबी अमरपुर-हड़सर-डाहड-जमन-घुमारवीं सड़क की आधारशिला रखीं। इसके अलावा उन्होंने 34.95 करोड़ रुपये की लागत से 31 किलोमीटर लंबी

घुमारवीं-बरठीं-शाहतलाई सड़क के उच्चीकरण कार्य तथा बाड़ी मझेडवां में 6.80 करोड़ रुपये की लागत से सीर खड्ड के ऊपर बाड़ी मझेड़वां-डाहड-पनोल सड़क पर निर्मित होने वाले 68 मीटर जीप योग्य स्पैन पुल की आधारशिला भी रखीं। इससे पूर्व, घुमारवीं पहुंचने पर लोगों ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्थानों पर लोगों से भेंट कर उनसे संवाद किया तथा उनकी समस्याएं भी सुनीं ।इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी, आयुष मंत्री यादविंद्र गोमा, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू, पूर्व विधायक तिलक राज और बंबर ठाकुर, डीआईजी राहुल नाथ, उपायुक्त राहुल कुमार, पुलिस अधीक्षक संदीप धवल, कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि और गणमान्य उपस्थित थे।

शिक्षा से ही सशक्त व्यक्ति, सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव : केवल सिंह पठानिया

कहा....... समाज के समग्र विकास का सबसे सशक्त माध्यम है शिक्षा

शाहपुर। शिक्षा से ही सशक्त व्यक्ति, सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति और समाज दोनों के समग्र विकास का सबसे सशक्त माध्यम है। यह विचार शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रजोल में आयोजित वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह के दौरान व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवेश के बच्चों को गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए प्रदेश सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से सरकार द्वारा युक्तिकरण, क्लस्टर सिस्टम तथा पहली कक्षा से अंग्रेजी शिक्षण जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि समय-समय पर शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों में पदोन्नतियां की जा रही हैं तथा रिक्त पड़े प्रधानाचार्यों के पद भी भरे जा रहे हैं। केवल सिंह पठानिया ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से जिला कांगड़ा की लोक संस्कृति एवं लोक नृत्यों को बढ़ावा देना आवश्यक है। अपनी सांस्कृतिक धरोहर को सहेज कर रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है, ताकि आने वाली पीढ़ियां इससे जुड़ाव महसूस कर सकें।

उन्होंने बताया कि जलशक्ति विभाग द्वारा क्षेत्र में गत तीन वर्षों के दौरान लगभग 68.30 लाख रुपये की राशि विभिन्न विकास कार्यों पर व्यय की गई है। इसके अतिरिक्त अनसुई एवं केटलू क्षेत्रों में बरसात के दौरान भूमि कटाव से हुए नुकसान की रोकथाम के लिए मुख्यमंत्री द्वारा समुचित धनराशि उपलब्ध करवाई गई, जिसके लिए उन्होंने आभार व्यक्त किया। वर्तमान में यहां 1.15 करोड़ रुपये की लागत से करैट लगाने का कार्य प्रगति पर है, जबकि गत वर्ष अनसुई क्षेत्र में 70 लाख रुपये की लागत से करैट लगाए गए थे, जिससे भूमि कटाव पर प्रभावी रोक लगी है।

उन्होंने बताया कि 5.77 करोड़ रुपये की लागत से थोला बस्ती से भोई सड़क तथा 2.50 करोड़ रुपये की लागत से धनोटु वाया बड बस्ती सड़क का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इनके पूर्ण होने से क्षेत्र के हजारों लोगों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अतिरिक्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर हेल्थ सब-सेंटर अनसुई के जीर्णोद्धार पर 6 लाख रुपये व्यय किए जाएंगे।

इस अवसर पर उन्होंने रजोल सेंटर के अंतर्गत 75 प्राथमिक स्कूल के बच्चों को अपनी ओर से स्कूल बैग भेंट किए । उन्होंने स्कूल के लिए कबड्डी मैट देने की भी घोषणा की । कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्य नीना पुंज ने मुख्यातिथि एवं अन्य अतिथियों का स्वागत किया तथा विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने वर्ष भर विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं।

इस अवसर पर सेवा निवृत्त विधानसभा सचिव गोवर्धन, पूर्व सीएमओ डॉ सुशील शर्मा,बलवंत मन्हास, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डी.डी. शर्मा, रीना पठानिया, प्रदीप बलौरिया, पंचायत प्रधान सपना, सहायक अभियंता जलशक्ति विभाग रज्जाक मोहम्मद, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग बलवीत, बीडीओ रैत कमलजीत, शाहपुर के प्रधानाचार्य बलजीत, रैत के प्रधानाचार्य शमशेर भारती, उपमुख्य सचेतक के सलाहकार विनय, बीईईओ मिनटों देवी,डॉ. यशपाल, रंजीत सिंह, अनिता, अनिल ठाकुर, कैप्टन जोगिंदर, एसएमसी प्रधान एवं सदस्यगण, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, अभिभावक तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एस डी एम संकल्प गौतम ने किया बच्चों की स्वास्थ्य जांच शिविर का निरीक्षण

बैजनाथ । उपमंडलाधिकारी बैजनाथ संकल्प गौतम ने आंगनबाड़ी केंद्र उस्तेहड़ स्थित समलोटू में 1 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए आयोजित किए गए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से शिविर की

व्यवस्थाओं एवं बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि बच्चों का स्वस्थ होना समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव है इसलिए प्रारंभिक आयु में नियमित स्वास्थ्य जांच अत्यंत आवश्यक है। एस डी एम ने स्वास्थ्य विभाग और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचे और कोई भी बच्चा स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित न रहे। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे ऐसे स्वास्थ्य शिविरों में अपने बच्चों की नियमित जांच अवश्य करवाएं।

शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक डॉ विकास ठाकुर द्वारा क्षेत्र के नन्हे बच्चों की समग्र स्वास्थ्य जांच की गई जिसमें उनके वजन, लंबाई, पोषण स्तर, सामान्य शारीरिक परीक्षण तथा आवश्यक स्वास्थ्य मानकों का आकलन किया गया एवं अभिभावकों को बच्चों के पोषण, स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारियां भी दी।

उन्होंने जानकारी दी कि इस प्रकार के स्वास्थ्य जांच शिविर वर्ष में दो बार आयोजित किए जाते हैं ताकि बच्चों में किसी भी संभावित बीमारी या पोषण संबंधी कमी का समय रहते पता लगाया जा सके और उचित उपचार व परामर्श उपलब्ध कराया जा सके। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उस्तेहड़ विनेश शर्मा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता समलोटू रामप्यारी, आंगनबाड़ी सहायिका वीना देवी सहित अन्य कर्मचारी एवं बच्चों के अभिभावक उपस्थित रहे।

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिले कुलदीप पठानियां, विधायी कार्यों पर की चर्चा।

नई दिल्ली । हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान गत सायं लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला से उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात की। यह एक शिष्टाचार भेंट थी। इस अवसर पर दोनों नेताओं में संसदीय प्रणाली, विधायी कार्यों, भविष्य में आयोजित होने वाले अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलनों तथा जोन स्तर के राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ सम्मेलनों पर गहन तथा विस्तृत चर्चा हुई।

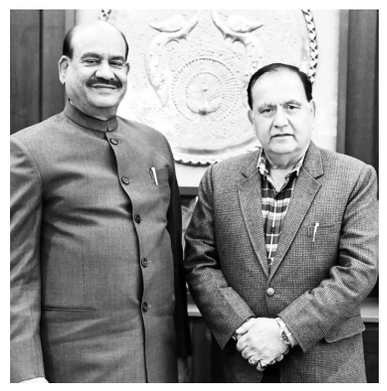

मुलाकात के दौरान लोक सभा अध्यक्ष को अवगत करवाते हुए पठानियां ने कहा कि तपोवन धर्मशाला में 8 बैठकें आयोजित कर हि0प्र0 विधान सभा द्वारा एक कैलेण्डर वर्ष के लिए निर्धारित 35 बैठकें पूर्ण की हैं। उन्होने कहा कि हमने इस कैलेण्डर वर्ष में बजट सत्र में 15, मानसून सत्र में 12 तथा शीतकालीन सत्र में 8 बैठकें आयोजित की हैं। पठानियां ने कहा कि तीनों सत्रों को मिलाकर सदन में कार्य उत्पादकता 98 प्रतिशत के लगभग रही है जो माननीय सदस्यों, पक्ष तथा प्रतिपक्ष की संसदीय प्रणाली के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। तपोवन में आयोजित शीतकालीन सत्र बारे ओम बिरला को अवगत करवाते हुए पठानियां ने कहा कि 8 दिनों की बैठकों के दौरान 1699 स्कूली छात्र ङ्क छात्राओं ने दर्शक दीर्घा से सदन की कार्यवाही को देखा जो सुदृढ़ लोकतन्त्र का आधार है तथा युवा पीढ़ी भी जहाँ संसदीय प्रणाली में रूचि ले रही है वहीं विश्व भर में हमारी लोकतान्त्रिक प्रणाली की लोक प्रियता बढ़ती जा रही है। इस अवसर पर दोनों दिग्गजों के बीच उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 18 से 25 जनवरी, 2026 तक आयोजित होने वाले अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन तथा सम्मेलन में चर्चा के लिए लाए जाने वाले विषयों सहित देश व प्रदेश के कई सामाजिक तथा प्रशासनिक विषयों पर भी चर्चा की गई।

ग्रामीण आर्थिकी को सम्बल प्रदान करने के लिए सामाजिक सुरक्षा को दिया जा रहा सर्वोच्च अधिमान - डॉ. शांडिल

गत तीन वर्षों में सामाजिक सुरक्षा के तहत प्रदेश में 12,095 लाभार्थियों को 28 करोड़ रुपए की सहायता

सोलन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण आर्थिकी को सम्बल प्रदान करने के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा को सर्वोच्च अधिमान प्रदान कर रही है। डॉ. शांडिल आज सोलन विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत कोट में 22 लाख रुपए से अधिक की विकासात्मक परियोजनाओं के लोकार्पण करने के उपरांत एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। स्वास्थ्य मंत्री ने ग्राम पंचायत कोट में 15 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित पंचवटी पार्क, 3.50 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित सामुदायिक भवन कटोह तथा 3.50 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित सामुदायिक भवन लछोग का लोकार्पण किया। डॉ. शांडिल ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा के तहत गत 03 वर्षों में प्रदेश में 12,095 लाभार्थियों को 28 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना के तहत 6000 बेसहारा बच्चों को चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट के रूप में अपनाकर उनका भविष्य सुरक्षित किया गया है।

मोबाईल न/ईमेल आई डी अपड़ेट और बिजली के बिल का भुगतान समय पर करने हेतु

धर्मशाला । विद्युत उपमंड़ल, नं 1 एचपी एसईबीएल के सहायक अभिंयता अभिषेक कटोच ने सूचित किया है कि जो भी उपभोक्ता विद्युत उप-मंड़ल, नं 1 एचपी एसईबीएल धर्मशाला के अंतर्गत आता है वो अपना मोबाईल नं/ईमेल आई डी आफिस में सुबह 10 :00 बजे से शाम 05 :00 बजे तक आ कर अपडेट करवाए। ताकि जनता को बिजली का बिल समय पर मोबाईल में एस एम एस एवम ईमेल आई डी के माध्यम से प्राप्त हो सके। उन्होने यह भी कहा कि अपने लंम्बित पड़े बिजली के बिलों का भुगतान जल्द से जल्द कर दे अन्यथा बिजली काट दी जाएगी तथा इसके लिए कोई अलग से नोटिस नहीं भेजे जायेंगे।

हिमाचल प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की बैठक आयोजित

उद्योग मंत्री ने किया विभागीय वेबसाइट का शुभारंभ

शिमला। उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने आज यहां हिमाचल प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की 246वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान बोर्ड से संबंधित विभिन्न विभागीय एवं नीतिगत मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई तथा खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने के लिए महत्त्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान उद्योग मंत्री ने खादी एवं ग्रामोद्योग से जुड़े कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन, रोज़गार सृजन तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने पर विशेष बल दिया। उद्योग मंत्री ने इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह वेबसाइट विभाग की योजनाओं, कार्यक्रमों, गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी आमजन तक सरल एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगी। विभागीय वेबसाइट ढ्ढह्लह्लश्च८//ढ्ढश्चद्मद्धड्डस्रद्ब.द्बठ्ठ के माध्यम से लाभार्थियों, उद्यमियों तथा आम नागरिकों को विभाग से जुड़ी जानकारियां उपलब्ध हो सकेंगी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग आर.डी. नजीम, मुख्य कार्यकारी अधिकारी खादी एवं ग्रामोद्योग जितेंद्र कुमार, उप-सचिव (वित्त) भुवनेश शर्मा, संयुक्त निदेशक उद्योग रमेश वर्मा, राज्य नोडल अधिकारी-सह ज़िला अधिकारी (डी.ओ.) संजीव जस्टा इस अवसर पर उपस्थित थे।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109 (हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

एसबीआई ने सीएसआर पहल के तहत पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट को एम्बुलेंस और ई-कार्ट्स भेंट की

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), रीजनल बिज़नेस ऑफिस-4 (आरबीओ-4), चण्डीगढ़ ने अपनी कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहल के अंतर्गत पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट को एक एम्बुलेंस और तीन ई-कार्ट भेंट कीं। हाईकोर्ट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति शील नागू, माननीय न्यायमूर्ति विकास बहल तथा माननीय न्यायमूर्ति सुदीप्ति शर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर एसबीआई के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे, जिनमें नीरज भारती, महाप्रबंधक (एनडब्ल्यू-2), चंडीगढ़ सर्किल, विवेक कुमार, उप महाप्रबंधक, एओ पंचकूला तथा सुश्री सुभाषिनी राय, क्षेत्रीय प्रबंधक, आरबीओ-4, चंडीगढ़ शामिल रहे।

यह सीएसआर पहल पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट कर्मचारी कल्याण संघ की परिकल्पना थी, जिसका नेतृत्व अध्यक्ष विनोद धत्तरवाल ने किया तथा इसे माननीय श्रीमती न्यायमूर्ति सुदीप्ति शर्मा का मार्गदर्शन प्राप्त रहा। एम्बुलेंस को हाईकोर्ट कर्मचारियों और आगंतुकों के लिए आपातकालीन चिकित्सा सहायता को सुदृढ़ करने हेतु प्रदान किया गया है। वहीं तीन ई-कार्ट हाईकोर्ट परिसर के भीतर पर्यावरण अनुकूल आंतरिक परिवहन को सुविधाजनक बनाएंगी, जिससे सतत विकास, सुगमता और सुविधा को बढ़ावा मिलेगा। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने हाईकोर्ट में स्वास्थ्य सुविधाओं को सशक्त करने और सतत गतिशीलता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एसबीआई के इस योगदान की सराहना की। इस पहल को सीएसआर ढांचे के अंतर्गत सामुदायिक कल्याण, पर्यावरणीय जिम्मेदारी और संस्थागत सहयोग के प्रति एसबीआई की प्रतिबद्धता का एक सार्थक कदम बताते हुए बैंक की एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार संस्था के रूप में भूमिका को रेखांकित किया गया।

सीबीएम ने व्यापार समर्थक नियमों का स्वागत किया, छोटे दुकानदारों पर बोझ हुआ कम

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चण्डीगढ़ व्यापार मंडल (सीबीएम) ने दुकान अधिनियम (शॉप एक्ट) के तहत दुकान पंजीकरण से जुड़े नए व्यापार समर्थक नियमों का स्वागत करते हुए इसे शहर में ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। सीबीएम के अध्यक्ष संजीव चड्ढा और उपाध्यक्ष बलजिंदर गुज्जराल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सहायक श्रम आयुक्त अक्षय मित्तल से मुलाकात कर नई गाइडलाइंस के लिए आभार और प्रशंसा व्यक्त की।

नए नियमों के तहत 20 कर्मचारियों तक वाली दुकानों को अनिवार्य पंजीकरण से छूट दी गई है। अब ऐसी दुकानों को केवल अपने कर्मचारियों की जानकारी श्रम विभाग को देनी होगी। इस फैसले से शहर के छोटे और मध्यम दुकानदारों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, जिससे वे प्रशासनिक औपचारिकताओं के बजाय अपने व्यापार पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था में बेहतर योगदान दे पाएंगे।

इस प्रतिनिधिमंडल में मुख्य सलाहकार किरण नारद, सलाहकार भारत भूषण कपीला, सचिव नवदीप शर्मा, राम लाल, रविंदर सिंह बिल्ला, विनय बाबा और अजय घई सहित कई प्रमुख व्यापारी नेता व कार्यकारिणी सदस्य शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने श्रम विभाग के इस निर्णय की सराहना करते हुए केंद्र सरकार से भी आग्रह किया कि व्यापारिक समुदाय को और अधिक ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस उपलब्ध कराने के लिए आगे भी ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि व्यापारी वर्ग देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे सके।

'युद्ध नशों विरुद्ध' के 291वें दिन पंजाब पुलिस द्वारा 5 किलो हेरोइन एवं 2 किलो अफीम सहित 103 नशा तस्कर काबू

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रदेश से नशों के पूर्ण उन्मूलन के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर शुरू किए गए "युद्ध नशों विरुद्ध" के 291वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 278 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके बाद प्रदेश भर में 83 एफआईआर दर्ज करके 103 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया

गया। इससे 291 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 40,591 हो गई है।

छापेमारी के परिणामस्वरूप गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 5.03 किलोग्राम हेरोइन, 2.7 किलोग्राम अफीम, 1465 नशीली गोलियां/कैप्सूल एवं 2.6 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों एवं एसएसपीज़ को पंजाब को नशा मुक्त प्रदेश बनाने के आदेश दिए हैं। पंजाब सरकार द्वारा नशों के विरुद्ध जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब कमेटी भी गठित की गई है। इस ऑपरेशन के दौरान 62 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 800 से अधिक पुलिस कर्मचारियों वाली 100 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 278 स्थानों पर छापेमारी की है। उन्होंने आगे बताया कि दिन भर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 299 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की है। बताने योग्य है कि पंजाब सरकार ने प्रदेश से नशों के उन्मूलन के लिए तीन-स्तरीय रणनीति - इन्फोर्समेंट, डी-एडिक्शन एवं प्रिवेंशन (ईडीपी) - लागू की गई है।

महाराजा रणजीत सिंह प्रैपरेटरी इंस्टीट्यूट द्वारा आठ पूर्व कैडेटों का अचीवर अवार्ड से सम्मान

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा युवाओं के सपनों को पंख लगाने की प्रतिबद्धता के तहत महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रैपरेटरी इंस्टीट्यूट (एमआरएसएएफपीआइ), एसएएस नगर ने अपने पूर्व कैडेटों की उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए हाल ही में कमीशंड अधिकारी बने आठ कैडेटों को प्रतिष्ठित अचीवर अवार्ड से सम्मानित किया।

अचीवर अवार्ड समारोह के दौरान इस प्रतिष्ठित संस्था द्वारा 2025 में रक्षा सेवाओं में कमीशन प्राप्त करने वाले अपने आठ कैडेटों को मान्यता दी गई, जिनमें से सात कैडेटों ने नवंबर/दिसंबर 2025 में और एक कैडेट ने मार्च 2025 में कमीशन प्राप्त किया था। इन युवा अधिकारियों ने प्रशिक्षण अधीन कैडेटों से बातचीत करते हुए प्री-कमीशनिंग अकादमियों से अपने अनुभव साझा किए और कैडेटों को अपने प्रदेश तथा देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

पंजाब के रोजगार उत्पत्ति, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने अचीवर अवार्ड प्राप्त करने वाले आठ युवा अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता पंजाब के अन्य युवाओं को भी रक्षा सेवाओं में सेवा निभाने तथा अपने देश और प्रदेश का नाम चमकाने के लिए प्रेरित करेगी।

महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रैपरेटरी इंस्टीट्यूट के निदेशक, मेजर जनरल अजय एच. चौहान, वीएसएम (सेवानिवृत्त) ने युवा अधिकारियों को उनके कमीशंड अधिकारी बनने पर बधाई दी और उम्मीद जताई कि एमआरएसएएफपीआइ में प्राप्त किये प्रशिक्षण उन्हें अपने करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए एक लॉन्च पैड के रूप में काम करता रहेगा।

उन्होंने आगे कहा कि यह अनोखी संस्था, जो मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान तथा रोजगार उत्पत्ति, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री अमन अरोड़ा के नेतृत्व में पंजाब के युवाओं को रक्षा सेनाओं में शामिल होने के लिए उचित अवसर प्रदान कर रही है, को पंजाब सरकार द्वारा पूर्ण समर्थन दिया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि 2011 में शुरू हुई यह संस्था रक्षा बलों के लिए प्रमुख फीडर की भूमिका निभा रही है। अब तक इस संस्था के 278 कैडेट एनडीए तथा अन्य अकादमियों के लिए चुने जा चुके हैं जिनमें से 186 ने कमीशन भी प्राप्त कर लिया है। यहां यह भी बताया गया कि इस संस्था के 10 अन्य कैडेटों को एनडीए/अन्य अकादमियों के जॉइनिंग लेटर प्राप्त हो चुके हैं तथा 47 कैडेट अपने सर्विस सिलेक्शन बोर्ड (एसएसबी) इंटरव्यू के लिए तैयारी कर रहे हैं।

- **अमन अरोड़ा ने अचीवर अवार्ड प्राप्त करने वाले युवा अधिकारियों को बधाई दी**
- **एमआरएसएएफपीआइ सशस्त्र बलों के लिए प्रमुख फीडर इंस्टीट्यूट के रूप में उभरा: मेजर जनरल अजय एच. चौहान**

सरकार हर विषय और बिन्दु पर चर्चा के लिए तैयार - मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार हर विषय और हर बिन्दु पर चर्चा के लिए तैयार है। बिन्दुवार हर विषय का जवाब दिया जाएगा। इसके लिए संवैधानिक प्रतिबद्धता बनाए रखना है।

मुख्यमंत्री बुधवार को हरियाणा विधानसभा में बिजनेस एडवाइजरी कमेटी के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विपक्ष हाउस का समय बढाने की बात कह रहा है लेकिन यह बैठक में निर्णय लिया गया है। इसके अलावा मानसून सत्र के बाद दूसरा सत्र 6 माह के बाद होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि 26 फरवरी को 6 माह होने हैं उसके बावजूद सरकार ने शीतकालीन सत्र बुलाया है।

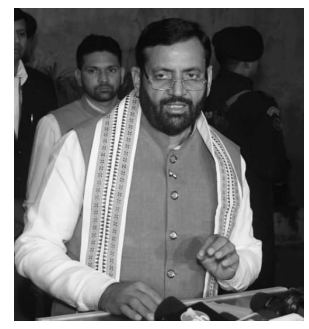

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि हाउस का समय बढाने की बात की जाए तो इतिहास उठाकर देखें, पिछले सत्र के बारे में जानकारी मिलेगी। कांग्रेस सरकार ने कम सत्र बुलाए। इस प्रथा को पूर्व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने बदलने का कार्य किया और वर्ष 2014 में 4 दिन का सत्र किया गया और 2024 में हमने 5 दिन का सत्र किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्र बिजनेस के हिसाब से चलता है। पिछला सत्र अच्छा रहा। विपक्ष से आग्रह है कि वे सार्थक चर्चा करें और जनहित के मुद्दे लेकर आए। उन्होंने कहा कि जब सरकार कोई सही बात करती है तो विपक्ष वॉकआउट करता है, उन्हें बात सुननी भी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगातार हार से कांग्रेस सरकार में निराशा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले सत्र में भी विपक्ष ने एक दिन जाया कर किया जिसमें विधायकों के प्रश्न भी नहीं पूरे हो पाए। इसलिए विपक्ष से आग्रह है कि जनता के हित में मुद्दों पर चर्चा करें। अविश्वास प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ''उम्र भर भूल यही करता रहा, धूल चेहरे पर जमी थी आईना साफ करता रहा''।

जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस झूठ का सहारा लेकर मनघडंत मुद्दे और भ्रम की स्थिति पैदा कर रही है। विपक्ष ने भ्रम फैलाया कि तीसरी बार श्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बन गए तो संविधान खतरे में हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक श्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री है तब तक बाबा साहेब के पवित्र संविधान को कोई खतरा नहीं हो सकता। पंजाब में खिलाड़ियों पर हो रहे हमलों को लेकर पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में कानून व्यवस्था बेहतर है और पुलिस पूरी मुस्तैदी से कार्य कर रही है।

हरियाली के अंतर्गत क्षेत्र बढ़ाने एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जंगल एवं प्रकृति जागरूकता पार्क किए जा रहे हैं विकसित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राज्य में वनों के अंतर्गत क्षेत्र बढ़ाने एवं आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ एवं हरा-भरा पर्यावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पंजाब सरकार 8 जंगल एवं प्रकृति जागरूकता पार्क विकसित कर रही है। इनमें से चार पार्क पठानकोट में, 2 पटियाला में तथा अमृतसर एवं होशियारपुर में 1-1 पार्क ग्रीनिंग पंजाब मिशन के अंतर्गत विकसित किए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक्क की अगुवाई में वन एवं वन्य जीव संरक्षण विभाग इन प्रोजेक्टों को पूरा करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य कर रहा है। पठानकोट में गांव घरोटा (0.50 हेक्टेयर), कटारूचक्क (0.75 हेक्टेयर), हैबत पिंडी (0.60 हेक्टेयर) एवं आई.टी.आई. बमियाल में ये पर्यावरण पार्क बनाए जा रहे हैं। इसी प्रकार पटियाला में बैरन माइनर सहित दो स्थानों पर पर्यावरण पार्क विकसित किए जा रहे हैं। अमृतसर में गांव जगदेव कलां पुल के पास पर्यावरण पार्क बनाया जा रहा है, जबकि होशियारपुर के बस्सी पुरानी में एक वन चेतना पार्क प्रगति पर है।

हैबत पिंड में पार्क के संबंध में इंटरलॉकिंग टाइलों वाले नेचर ट्रेल का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि खेल उपकरण स्थापित करने एवं ओपन एयर शेल्टर (गाजेबो) का निर्माण चल रहा है। घरोटा में भी इंटरलॉकिंग टाइलों वाले नेचर ट्रेल का कार्य पूरा हो चुका है जबकि खेल उपकरण स्थापित करने एवं ओपन एयर शेल्टर (गाजेबो) की स्थापना वर्तमान में चल रही है। इसी प्रकार गांव कटारूचक्क में भी इंटरलॉकिंग टाइलों वाले नेचर ट्रेल एवं खेल उपकरणों की स्थापना का कार्य बहुत तेजी से जारी है।

राज्य सरकार का यह सुहृद प्रयास रहा है कि अधिक से अधिक हरियाली सुनिश्चित की जाए एवं साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण की रक्षा के उपाय किए जाएं। इस संबंध में वन एवं वन्य जीव संरक्षण विभाग द्वारा 'द पंजाब प्रोटेक्शन ऑफ ट्रीज एक्ट, 2025' का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है, जिसका उद्देश्य हरियाली को बनाए रखना, पर्यावरण संतुलन सुनिश्चित करना एवं पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के साथ-साथ मिट्टी का संरक्षण करना है।

असहिष्णुता को दूर करने और विभिन्न धार्मिक और क्षेत्रीय लोगों वाले देश में एकता को बढ़ावा देने के लिए अलग-अलग धर्मों के बीच संवाद ज़रूरी है : उपराष्ट्रपति, सीपी राधाकृष्णन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। विश्व पंजाबी संगठन और ग्लोबल इंटरफेथ हार्मनी फ़ाउंडेशन, चण्डीगढ़ ने आज अपने अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ विक्रमजीत सिंह साहनी के नेतृत्व में विज्ञान भवन, नई दिल्ली में एक अंतरधार्मिक सम्मेलन का आयोजन लिया। इस सम्मेलन में भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद थे।

सम्मेलन में सिख, हिंदू, इस्लाम, ईसाई और जैन धर्म के शीर्ष धार्मिक गुरु भारत की धार्मिक आज़ादी, धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक सद्भाव के विचार के लिए एक साथ आते हुए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई।

भारत के उपराष्ट्रपति, सीपी राधाकृष्णन ने श्री गुरु तेग बहादुर जी को श्रद्धांजलि दी और उनकी शहादत को भारत के धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों की नैतिक नींव बताया। उन्होंने कहा कि 1675 में गुरु जी का बलिदान धार्मिक आज़ादी की रक्षा में हिम्मत की निशानी है और इस बात पर ज़ोर दिया कि यह सम्मेलन भारत के वसुधैव कुटुम्बकम के मूल्यों को दर्शाता है। उपराष्ट्रपति ने ज़ोर दिया कि असहिष्णुता को दूर करने और विभिन्न धार्मिक और क्षेत्रीय लोगों वाले देश में एकता को बढ़ावा देने के लिए अलग-अलग धर्मों के बीच संवाद ज़रूरी है।

- **श्री गुरु तेग बहादुर जी का सर्वोच्च बलिदान मानव अधिकारों के लिए वैश्विक इतिहास में एक अहम पल था : डॉ विक्रमजीत सिंह साहनी**

इस अवसर पर डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के सर्वोच्च बलिदान को मानव अधिकारों के लिए वैश्विक इतिहास में एक अहम पल के तौर पर याद किया। उन्होंने कहा कि धार्मिक आज़ादी एक सभ्य समाज की नींव है और इस बात पर ज़ोर दिया कि गुरु तेग बहादुर जी की शहादत सिर्फ़ एक धर्म के लिए नहीं थी, बल्कि हर इंसान के बिना डरे अपने धर्म को मानने के अधिकार को बनाए रखने के लिए थी और यही धर्मनिरपेक्षता की सच्ची भावना है। आज के बँटे हुए समय में, गुरुजी का संदेश शांति और इंसानियत को मूल मानते हुए अलग-अलग धर्मों के बीच एकता का संदेश देता है, ये कहना था डॉ. साहनी का।

सम्मेलन में जाने-माने वक्ता शामिल थे, जिनमें नामधारी सतगुरु उदय सिंह, जैन आचार्य लोकेश मुनि जी, अजमेर शरीफ के हाजी सैयद सलमान चिश्ती जी, फादर मोनोदीप डैनियल जी, इस्कॉन दिल्ली के मोहन रूपा दास जी और सरदार तरलोचन सिंह जी शामिल थे।

रामपुरा बिश्नोईयां में 4 वर्षीय बच्ची की अपहरण के बाद हत्या, शव माईनर से बरामद

डबवाली- डबवाली क्षेत्र के गांव रामपुरा बिश्नोईयां में चार वर्षीय बच्ची के अपहरण के बाद हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बच्ची का शव बुधवार सुबह गांव के निकट रिसालियाखेड़ा माईनर की एक टेल खाल से बरामद हुआ। पुलिस ने संजय कुमार वासी मोरीवाला को गिरफ्तार कर लिया है। घटना की सूचना मिलते ही डबवाली की एसपी निकिता खट्टर व एसडीएम अर्पित संगल मौके पर पहुंचे।

बच्ची के परिजनों ने आरोपी संजय के साथ-साथ पड़ोसी प्रेम कुमार व राजेश कुमार के पूरे परिवार पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों ने स्पष्ट किया है कि सभी के खिलाफ कार्रवाई न होने तक वे अंतिम संस्कार नहीं करेंगे।

बच्ची मंगलवार शाम घर के आगे खेलते समय लापता हो गई थी। जांच में सामने आया कि पड़ोस में अपनी बहन के घर आया युवक संजय बच्ची को चीज दिलाने के बहाने अपने साथ ले गया। यह पूरी घटना गांव के बाहर लगे सीसीटीवी में कैद हुई है। फुटेज में आरोपी युवक अपने 14 वर्षीय भांजे के साथ बच्ची को मोटरसाइकिल पर ले जाते हुए दिखाई दिया।

पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि कुछ दूरी पर जाकर आरोपी ने अपने भांजे को उतार दिया और बच्ची को अपने साथ ले गया। इसके बाद वह गांव मोरीवाला की ओर चला गया और डर के कारण खेतों में छिप गया। बुधवार सुबह बच्ची का शव मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी संजय को गिरफ्तार कर लिया और उससे पूछताछ की जा रही है। पूरी रात डबवाली जिला पुलिस के करीब दो सौ कर्मचारी लापता बच्ची की तलाश में जुटे रहे। उल्लेखनीय है कि मृतक बच्ची अपने मां-बाप की इकलौती संतान थी।उसने अभी स्कूल जाना शुरू ही किया था। उसके पिता दिहाड़ी मजदूरी करते हैं और मां भी मजदूरी करती है। इकलौती बच्ची की निर्मम हत्या ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। सदर थाना के प्रभारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया गया है।

पंचकूला का विकास चारों विकास एजेंसियों में आपसी समन्वय ना होने की भेंट चढा : मनोज अग्रवाल

- **सेक्टरों के अंदर की सडकें, सेनिटेशन, पार्क, स्ट्रीट लाइट आदि नगर निगम के दायरे में आते हैं! चारों एजेंसियां मिल कर भी शहर वासियों को मूलभूत सुविधाएं देने में असफल साबित हो रही हैं !**

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। पंचकूला के विकास के लिए सरकार ने नगर निगम, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, पीएमडीए तथा हरियाणा ओद्योगिक विकास निगम सहित चार एजेंसीयां लगाई हुई हैं ! लेकिन इन में आपसी तालमेल ना होने से भ्रम की स्थिति में शहर का विकास प्रभावित हो रहा है। यह आरोप लगाते हुए इंडियन नेशनल लोकदल के पंचकूला जिलाध्यक्ष शहरी एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने कहा कि सेक्टरों की विभाजक सडकें पीएमडीए के पास है जबकि स्ट्रीट लाइट नगर निगम द्वारा संचालित की जाती हैं। इसी तरह सेक्टरों की मार्केटों से अतिक्रमण हटाने तथा रेहडी फडी वालों से नगर निगम तथा एचएसवीपी संयुक्त रूप निपटते हैं ! वहीं औद्योगिक क्षेत्र की सडकें, साफ सफाई तथा अन्य मसले एचएसआईडीसी देखता है ! मनोज अग्रवाल ने कहा कि सेक्टर 1,3,5,23,24,27,31 की सडकें, स्ट्रीट लाइट, सेनिटेशन आदि के लिए एचएसवीपी जिम्मेदार है! सेक्टरों के अंदर की सडकें, सेनिटेशन, पार्क, स्ट्रीट लाइट आदि नगर निगम के दायरे में आते हैं! चारों एजेंसियां मिल कर भी शहर वासियों को मूलभूत सुविधाएं देने में असफल साबित हो रही हैं ! छोटा सा शहर चार चार एजेंसियों के हवाले होने की वजह से ही स्वच्छ सर्वेक्षण में पंचकूला का 219वां रेंक आया था ! शहर की खस्ताहाल सडकें, घटिया सेनिटेशन, जगह जगह पडे गंदगी के ढेर के लिए इन चारों एजेंसियों में आपसी तालमेल ना होना है ! उल्लेखनीय है कि पीएमडीए तथा एचएसवीपी का एग्जीक्युटिव इंजिनियर एक ही है ! मनोज अग्रवाल ने पूरे शहर की जिम्मेदारी नगर निगम तथा एचएसवीपी को ही सौंपने की मांग दोहराई !

विधायक भराज के अपने ही गांव से आप प्रत्याशी चुनाव हारी

संगरूर: जिला परिषद और पंचायत समिति के आज घोषित नतीजे में संगरूर से विधायक नरिंदर कौर भराज के अपने ही गांव से आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी राजिंदर कौर चुनाव हार गईं और कांग्रेस प्रत्याशी राजिंदर कौर चुनाव जीत गई।

भवानीगढ़ ब्लॉक के भराज गांव से आम आदमी पार्टी 27 वोटों से हारी ।कांग्रेस उम्मीदवार राजिंदर कौर को 267 वोट मिले जबकि आम आदमी पार्टी उम्मीदवार राजिंदर कौर को 240 वोट मिले। 5 वोट नोटा के थे और 20 वोट कैंसिल हो गए। यहां दोनों प्रत्याशियों का एक ही नाम राजिंदर कौर था और दोनों में सीधा मुकाबला था।

पंचायत समिति जोन चन्नो (चन्नो, नूरपुरा, भराज और लखेवाल) कांग्रेस प्रत्याशी राजिंदर कौर को 1260 वोट जबकि आप प्रत्याशी राजिंदर कौर को 994 वोट मिले। ब्लाक समिति गांव झनेड़ी जोन से विधायक नरिंदर कौर भराज का प्रत्याशी चौथे नंबर पर रहा है।

उत्तर रेलवे

ई–टेंडरिंग

खुली निविदा सूचना संख्या एनआईटी–17/2025–26 दिनांक 15/12/2025

सीनियर डिविजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/जी, उत्तर रेलवे, अंबाला द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई–निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए 15.00 बजे तक या कार्य के सामने दिखाई गई समाप्ति की तिथि तक खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

क्र सं	निविदा संख्या	कार्य का नाम	लगभग लागत (रू.)	बोली प्रतिभूति (रू.)	पूर्ण होने की अवधि	बंद करने और खोलने की तिथि
1	30–विद्युत–23/2025–26 (ओपन टेंडर)	चंडीगढ़ स्थित गुड्स शेड में औद्योगिक साइडिंग I और II में शेष कार्यों के उन्नयन से संबंधित विद्युत कार्य, बरवाला (बीएक्ससी) में 3 मीटर चौड़े एफओबी का प्रावधान, (संगरूर) एसएजी में ब्लॉक संख्या टी–7/2, लाहरा गागा (एलएचए) में गैंग हट संख्या 15/7 यूनिट टाइप–II और (छजली) सीजेएल में ब्लॉक संख्या टी–7/2 के जर्जर निम्न–स्तरीय क्वार्टरों को एडीईएन/पीटीए अनुभाग में मानक टाइप–II क्वार्टरों से प्रतिस्थापित करना और एसएसई/डब्ल्यू/आरपीएआर अनुभाग में (जीएएनएल–बर्ज) के बीच गैंग संख्या 9 के स्टाफ क्वार्टरों (II टाइप–II क्वार्टर) को प्रतिस्थापित करना, बचे हुए यांत्रिक लिफ्टिंग बैरियर के स्थान पर इलेक्ट्रिक लिफ्टिंग बैरियर की व्यवस्था, इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग गेटों पर रोड सिग्नल की व्यवस्था, अंबाला डिवीजन के अंतर्गत सुनाम रेलवे स्टेशन पर एफओबी के शेष कार्य की व्यवस्था, केसरी रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म संख्या 1 और 2 की व्यवस्था पर उच्च स्तरीय, एडीईएन/यूएमबी के अंतर्गत पुरानी रेलवे कॉलोनी में निम्न–स्तरीय स्टाफ क्वार्टरों (एसएसई डब्ल्यू/एम/यूएमबी अनुभाग में टाइप–II: 2 इकाइयों, टाइप–III. 3 इकाइयों और टाइप–IV: I इकाई) के स्थान पर मानक टाइप–II 6 इकाइयाँ, टाइप–III: 4 इकाइयों और टाइप–IV: I इकाई का निर्माण। एडीईएन/यूएमबी के अंतर्गत पुरानी रेल विहार कॉलोनी, अंबाला कैंट में निम्न–स्तरीय स्टाफ क्वार्टरों (टाइप–I, 10 इकाइयों. टाइप–II: 4 इकाइयों और टाइप–III: I इकाई) के स्थान पर मानक टाइप–II. 14 इकाइयों और टाइप–III: I इकाई का निर्माण, खरर रेलवे स्टेशन पर एफओबी (फुट ओवर) और सहारनपुर, बठिंडा और कालका के एआरटी और एसपीएआरएमएआरएमवी के लिए बुनियादी ढांचा सुविधाओं के निर्माण का प्रावधान तथा लेवल क्रॉसिंग पर रवरयुक्त लेवल क्रॉसिंग सड़क सतह का प्रावधान (कुल 13) तथा एडीईएन/पटियाला खंड में गैर–मानक ड्यूटी हट संख्या सी–40बी को जीर्ण–शीर्ण स्थिति में स्थित ड्यूटी हट संख्या सी–19ए, सी–34, सी–45, सी–46 से प्रतिस्थापित करना	Rs. 26052846.60	Rs. 280300.00	06 महीने	07.01.2026

1) निविदाकर्ताओं को शर्तों के अनुसार PAN/TIN/GST सहित सभी संबंधित पात्र दस्तावेजों की स्कैन की हुई प्रतियों को अपनोड करना आवश्यक है। 2) आवश्यक बोली सुरक्षा नेट बैंकिंग/या भुगतान गेटवे के माध्यम से केवल निविदा की अंतिम तिथि और समय के 15.00 बजे से पहले ही ऑनलाइन भुगतान स्वीकार्य होगी। 3) कार्य निविदाओं की ई–निविदा में भाग लेने के लिए निविदाकर्ताओं के पास तृतीय श्रेणी का डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए। 4) विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस वेबसाइट WWW.IREPS.Gov.in पर लॉग ऑन करें। 5) जीएसटी अधिनियम 2017 के अनुसार जीएसटी लगाया जाएगा। **3897/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

दिल्ली में गहरा रहा प्रदूषण का संकट

सर्दी का मौसम शुरू होने के साथ ही दिल्ली की आबोहवा अब बुरी तरह बिगड़ गई है। इस समय राजधानी घने कोहरे की चादर में लिपटी नजर आ रही है। जहरीली हवाओं से लोग बेहाल हैं। उनमें स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं पैदा हो रही हैं। वायु गुणवत्ता सूचकांक कई इलाकों में गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। धूल-धुएं से बनी धुंध की दोहरी मार से दृश्यता कमजोर हो गई है। नतीजा यह है कि सड़कों पर वाहन रेंगते हुए दिखाई पड़ रहे हैं।राजधानी में हालात गंभीर हैं। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सभी बाहरी शारीरिक खेल गतिविधियां बंद करने का फिर से निर्देश देना पड़ा है। जबकि पिछले महीने ही शीर्ष न्यायालय ने ऐसे आयोजनों पर सवाल उठाया था और इसे रोकने के लिए कहा था। फिर भी खेल गतिविधियां जारी रखी गईं, तो इससे साबित होता है कि लापरवाही किस हद तक बरती जा रही है।यह अदालत के निर्देशों की भी अवहेलना है। जाहिर है कि दिल्ली और इसके आसपास के राज्यों की सरकारें प्रदूषण को गंभीरता से नहीं ले रही हैं। हर दूसरे-चौथे दिन फौरी घोषणाएं जरूर की जा रही हैं, लेकिन दीर्घकालिक समाधान नहीं निकाला जा रहा है। फिलहाल प्रदूषण को काबू में करने के लिए जो कदम उठाए गए हैं, इसके सार्थक परिणाम नहीं निकल रहे हैं। नतीजा यह कि दिल्ली वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार बिगड़ता जा रहा है। दरअसल, इस समस्या के गंभीर लक्षणों की सही मायने में पहचान नहीं की जा रही है। हालात कब तक सुधरेंगे, यह भी कोई नहीं बता रहा। राजधानी में लगातार प्रदूषण बने रहने की असल वजह क्या है, शायद यह कोई जानना नहीं चाहता और अगर कारणों की पहचान है, तो राज्य सरकारें गंभीरता से कदम उठाने से संकोच क्यों कर रही हैंदिल्ली में अभी अन्य राज्यों से आने वाले ट्रकों पर रोक है। निर्माण कार्य बंद करा दिए गए हैं। ग्रेप-चार के तहत पाबंदियां भी लागू हैं। बावजूद इसके प्रदूषण के स्तर को कम नहीं किया जा पा रहा है।

बीजेपी ने इस वजह से पंकज को सौंपी यूपी की बागडोर, लोकसभा चुनाव 2024 से है कनेक्शन

भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी शनिवार को नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के नए अध्यक्ष गए। किसी अन्य उम्मीदवार के न होने से उनका निर्विरोध चुने। चौधरी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में वरिष्ठ नेता चौधरी भूपेंद्र सिंह का स्थान लिया। पार्टी सूत्रों ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया का सुचारू रूप से संपन्न होना प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व में सहमति को दर्शाती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पंकज चौधरी के नाम का प्रस्ताव रखा, जबकि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक ने नामांकन का समर्थन किया, जो राज्य के शीर्ष नेतृत्व के मजबूत समर्थन को दर्शाता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, सुरेश खन्ना, स्वतंत्र देव सिंह, सूर्य प्रताप शाही और बेबी रानी मौर्य सहित कई वरिष्ठ पार्टी नेताओं ने भी उनकी उम्मीदवारी का समर्थन किया।

(विवेक अवस्थी)

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, आगामी पंचायत चुनावों और 2027 में उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर चौधरी का प्रदेश अध्यक्ष के रूप में चयन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, संगठनात्मक शक्ति, क्षेत्रीय प्रभाव और जातिगत समीकरण इस तरह की नियुक्तियों में अहम भूमिका निभाते हैं।

चौधरी महाराजगंज संसदीय क्षेत्र से सात बार सांसद रह चुके हैं। कुर्मी समुदाय से संबंध रखने वाले चौधरी, जो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अंतर्गत आता है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के करीबी माने जाते हैं। उत्तर प्रदेश में ओबीसी मतदाताओं के बीच कुर्मी समुदाय का काफी प्रभाव है। हाल के चुनावों में, जिनमें 2024 के लोकसभा चुनाव और 2022 के विधानसभा चुनाव शामिल हैं, समुदाय के कुछ वर्ग समाजवादी पार्टी की ओर आकर्षित होते देखे गए, जिससे भाजपा के नेतृत्व का चुनाव राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो गया है। भाजपा ने इससे पहले तीन बार कुर्मी समुदाय के नेताओं को उत्तर प्रदेश इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया है- पूर्व सांसद विनय कटियार, पूर्व मंत्री ओम प्रकाश सिंह और स्वतंत्र देव सिंह। लोकसभा चुनाव 2024 की बात करें तो इस समुदाय के वोटर सपा की तरफ चले गए थे। जिससे बीजेपी के लिए इस समुदाय से उम्मीदवार लाना जरूरी हो गया था, क्योंकि यूपी में ओबीसी समुदाय में यादवों के बाद दूसरे नंबर में कुर्मी मतदाता है। इसी कुर्मी मतदाता के दम पर समाजवादी पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है। उत्तर प्रदेश में 'इंडिया' गठबंधन ने लोकसभा चुनाव के नतीजों में सबको चौंका दिया था। इस गठबंधन ने अगड़ी जातियों को छोड़कर सभी प्रमुख सामाजिक वर्गों में गहरी पैठ बनाई थी। यूपी में भारतीय जनता पार्टी ने 75 सीटों पर चुनाव लड़ा था और पांच सीटों पर एनडीए के घटक दलों ने अपने उम्मीदवार उतारे थे। बीजेपी 75 में से केवल 33 सीटें ही जीत पाई और उसकी सहयोगी पार्टियां राष्ट्रीय लोक दल 2 और अपना दल (सोनेवाल) केवल एक सीट जीत पाई। दूसरी ओर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की अगुआई वाले 'इंडिया' गठबंधन ने 43 सीटें जीतीं। सपा ने लोकसभा चुनाव में 62 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इसमें से उसे 37 सीटों पर जीत मिली है। इस जीत के साथ ही सपा संसद में बीजेपी और कांग्रेस के बाद तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई। सपा की इस जीत में सबसे बड़ा योगदान ओबीसी मतदाताओं का रहा है। सपा के 37 सांसदों में से 20 ओबीसी के हैं। इसमें भी सबसे बड़ी संख्या कुर्मी जाति के लोगों की है। आइए देखते हैं कि सपा ने कैसे किया है यह कमाल। लोकसभा चुनाव 2024 में सपा के जो 37 सांसद जीते हैं, उनमें ओबीसी के 20, दलित समाज के आठ और चार मुसलमान हैं। वहीं सवर्ण जातियों में एक सांसद ब्राह्मण, एक वैश्य और

एक भूमिहार है। इसके अलावा दो राजपूत सांसद सपा के टिकट पर चुने गए। इस चुनाव में बड़ा प्रयोग करते हुए सपा ने दो सामान्य सीटों अयोध्या और मेरठ में दलित उम्मीदवार उतार दिए थे। सपा का यह प्रयोग सफल रहा। अयोध्या में उसके उम्मीदवार अवधेश प्रसाद ने बीजेपी के लल्लू सिंह को हरा दिया। वहीं मेरठ में सपा की दलित उम्मीदवार सुनीता वर्मा केवल 10 हजार वोटों से बीजेपी के अरुण गोविल से हार गईं। लोकसभा चुनाव 2024 में समाजवादी पार्टी ने 27 ओबीसी को टिकट दिए थे। इनमें सबसे अधिक 10 टिकट कुर्मी जाति के लोगों को दिए गए। उत्तर प्रदेश में कुर्मी यादवों के बाद दूसरी सबसे बड़ी ओबीसी जाति है। साल 2014 और 2019 के चुनाव में बीजेपी को मिली सफलता में कुर्मी जाति का योगदान बहुत अधिक था। इसलिए इस बार सपा ने बीजेपी को उसी के हथियार से मात दी। सपा ने ऐसी कुर्मी बहुल सीटों की पहचान की, जहां बीजेपी ने गैर ओबीसी उम्मीदवार खड़ा किए थे। इनमें से प्रमुख थी लखीमपुर खीरी और बस्ती की सीट। खीरी को कुर्मी बहुल सीट माना जाता है, लेकिन बीजेपी पिछले दो चुनाव से वहां ब्राह्मण समाज के अजय कुमार मिश्र टेनी को टिकट दे रही थी और वो जीत रहे थे। किसान आंदोलन के दौरान हुए हत्याकांड को लेकर लोगों में टेनी पर गुस्सा था। इस बार सपा ने वहां से कुर्मी जाति के उत्कर्ष वर्मा को टिकट दिया। उत्कर्ष ने अजय को 34 हजार से अधिक वोटों से मात दे दी। वहीं बस्ती में बीजेपी के हरीश द्विवेदी पिछले दो चुनाव से जीत रहे थे। वहां सपा ने एक बार फिर राम प्रसाद चौधरी पर भरोसा जताया। उन्होंने पार्टी के भरोसे पर खरा उतरते हुए जीत दर्ज की। वह भी तब जब बसपा ने भी वहां से एक कुर्मी उम्मीदवार उतारा था। इन दोनों के अलावा कुर्मी जाति के बांदा से कृष्णा देवी पटेल, फतेहपुर से नरेश उत्तम पटेल, प्रतापगढ़ से एसपी सिंह पटेल, अंबेडकर नगर से लालजी वर्मा और श्रावस्ती से राम शिरोमणि वर्मा सांसद चुने गए हैं। सपा ने बहुत सोच-समझ कर बीजेपी के ब्राह्मण उम्मीदवारों के खिलाफ कुर्मी उम्मीदवार खड़े किए। ऐसा इसलिए कि प्रदेश में कुर्मी और ब्राह्मण को बीजेपी का कोर वोटर माना जाता है। सपा ने बांदा को छोड़कर किसी भी ऐसी सीट पर कुर्मी प्रत्याशी नहीं दिए, जिस पर बीजेपी या उसके सहयोगी अपना दल का उम्मीदवार कुर्मी हो। ब्राह्मण बनाम कुर्मी की अखिलेश की यह रणनीति कामयाब रही है। बीजेपी इसका काट नहीं खोज पाई।

वहीं अगर सपा-कांग्रेस के उम्मीदवारों की बात करें तो उनमें 33ओबीसी ,19 दलित और छह मुस्लिम शामिल हैं। कांग्रेस के छह सासंदों की बात करें तो उसमें राकेश राठौड़-ओबीसी ,तनुज पुनिया-दलित, इमरान मसूद-मुसलमान, राहुल गांधी-ब्राह्मण, उज्जवल रेवती रमन सिंह-भूमिहार हैं और केएल शर्मा-ब्राह्मण हैं।

यूपी में 40 फीसदी के करीब ओबीसी वोट में कुर्मी समाज 48 से 50 विधानसभा और 9 से 10 लोकसभा सीटों पर प्रभावशाली भूमिका रखता है। कुर्मी समुदाय का जनाधार यूपी के 24 से ज्यादा जिलों में है। बुंदेलखंड, रुहेलखंड से लेकर बुंदेलखंड तक इनकी सियासी समर्थन पाने की होड़ भाजपा के साथ सपा और बसपा में भी है। पूर्वांचल में महाराजगंज, संतकबीर नगर, कुशीनगर, सोनभद्र और मिर्जापुर जिले में कुर्मी वोट हैं। अवध में उन्नाव, कानपुर, फतेहपुर, लखनऊ में भी इनकी अच्छी खासी तादाद है। कौशांबी, प्रयागराज, सीतापुर, बस्ती, अकबरपुर, एटा, बरेली से लेकर लखीमपुर खीरी जिलों में भी ये फैले हुए हैं। (यह लेखक के अपने विचार हैं)।

भारत चुपचाप बड़ी तैयारी, मोदी की जॉर्डन, इथियोपिया -ओमान यात्रा विरोधियों पर पड़ रही भारी

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो पश्चिम एशिया इस समय उबाल पर है। गाज़ा संकट, ईरान-सऊदी समीकरणों में उतार-चढ़ाव, अमेरिका की प्राथमिकताओं में बदलाव और सऊदी अरब-पाकिस्तान और अमेरिका के नए रक्षा समीकरण का उभरना भारी उथलपुथल की तरह है। युद्ध के धुएँ और वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में भारत की विदेश नीति अगर किसी एक शब्द में परिभाषित होती है, तो वह है रणनीतिक स्पष्टता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की यात्रा इसी स्पष्टता का ठोस प्रदर्शन है। यह यात्रा बदलती वैश्विक ध्रुवीयता में भारत के हितों को सुरक्षित करने की एक सधी हुई चाल है। यह एक ऐसा रणनीतिक कदम है जो आने वाले वर्षों में भारत की ऊर्जा, खाद्य, समुद्री और भू-राजनीतिक सुरक्षा की रीढ़ बनेगा। देखा जाये तो पश्चिम एशिया इस समय उबाल पर है। गाज़ा संकट, ईरान-सऊदी समीकरणों में उतार-चढ़ाव, अमेरिका की प्राथमिकताओं में बदलाव और सऊदी अरब-पाकिस्तान और अमेरिका के नए रक्षा समीकरण का उभरना भारी उथलपुथल की तरह है। ऐसे में भारत का जॉर्डन और ओमान की ओर बढ़ना बताता है कि नई दिल्ली अब प्रतिक्रियावादी नहीं, बल्कि एजेंडा-सेटर है। मोदी सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत किसी एक धुरी पर निर्भर नहीं रहेगा, वह अपने विकल्प खुद गढ़ेगा। मोदी के तीन देशों के दौरे में जॉर्डन पहला पड़ाव था और यह

चयन ही बहुत कुछ कह देता है। हम आपको बता दें कि पश्चिम एशिया में जॉर्डन एक संतुलनकारी शक्ति है। वह कट्टरपंथ के विरुद्ध ढाल और संवाद का सेतु है। भारत के लिए जॉर्डन केवल कूटनीतिक मित्र नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा का रणनीतिक स्तंभ भी है। फॉस्फेट और पोटाश जैसे उर्वरकों के बिना भारत की कृषि का आगे बढ़ना मुश्किल है। जॉर्डन इंडिया फर्टिलाइज़र कंपनी जैसे उपक्रम इस बात का प्रमाण हैं कि मोदी सरकार संसाधन सुरक्षा को भाषण नहीं, संस्थागत रणनीति मानती है। दोनों देशों के बीच 2.75 अरब का द्विपक्षीय व्यापार और 2030 तक 5 अरब का लक्ष्य दिखाता है कि यह साझेदारी अब प्रतीकात्मक नहीं रही। मोदी की जॉर्डन यात्रा के दौरान हुए करार और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई को वहां की सरकार का मिला जोरदार समर्थन तथा क्राउन प्रिंस का खुद मोदी को अपनी कार में लेकर जाना दर्शाता है कि मोदी की यात्रा कितनी सफल रही। वहीं मोदी की इथियोपिया यात्रा को देखें तो यह रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत निर्णायक है। अफ्रीकी संघ का मुख्यालय, ब्रिक्स का सदस्य और ग्लोबल साउथ की धड़कन, इथियोपिया में 2011 के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा है। देखा जाये तो यह देरी नहीं, बल्कि सही समय पर किया गया दांव है। दोनों देशों के बीच 550 मिलियन का व्यापार, भारतीय फार्मा की मजबूत मौजूदगी और क्षमता निर्माण में भारत की भूमिका दिखाती है कि नई दिल्ली अफ्रीका को बड़ा साझेदार मानती है। यह चीन के ऋण-जाल मॉडल के ठीक उलट सम्मान, प्रशिक्षण और साझा विकास का रास्ता है। साथ ही मोदी की ओमान यात्रा भारत की समुद्री रणनीति का निर्णायक स्तंभ है। दुक़्म बंदरगाह में भारत की बढ़ती मौजूदगी, होरमुज़ जलडमरूमध्य से बाहर एक वैकल्पिक लॉजिस्टिक हब, यह सब भारत की इंडो-लिटरल स्ट्रैटेजी का हिस्सा है। भारत-ओमान सीईपीए का प्रस्तावित हस्ताक्षर इस यात्रा का सबसे ठोस आर्थिक परिणाम होगा। देखा जाये तो 95 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क-मुक्त पहुँच और 98 प्रतिशत तक भारतीय वस्तुओं को राहत, एक रणनीतिक व्यापार की तरह है। ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, उर्वरक, तकनीक और खाद्य सुरक्षा, हर मोर्चे पर भारत अपनी शर्तों पर आगे बढ़ रहा है। दोनों देशों के बीच 10.61 अरब का व्यापार जल्द ही 20 अरब की ओर बढ़े, यह केवल आंकड़ा नहीं, भरोसे की मुद्रा है। हम आपको यह भी बता दें कि इस पूरी यात्रा की बेहद शक्तिशाली धुरी हैं भारतीय प्रवासी। ओमान में 6.75 लाख से अधिक भारतीय, जॉर्डन में परिधान उद्योग की रीढ़ बने 17 हजार श्रमिक और इथियोपिया में शिक्षा जगत को दिशा देने वाले भारतीय प्रोफेसर, ये लोग भारत की 'सॉफ्ट पावर' नहीं, बल्कि लिविंग स्ट्रैटेजिक एसेट्स हैं। मोदी सरकार ने पहली बार प्रवासियों को भावनात्मक प्रतीक से निकालकर नीति के केंद्र में रखा है, चाहे वह बिज़नेस कार्ड वीज़ा हो या श्रम सुरक्षा के समझौते। बहरहाल, आलोचक कह सकते हैं कि यह यात्रा चुनौतियों से मुक्त नहीं है क्योंकि पश्चिम एशिया की अस्थिरता, अफ्रीका में प्रतिस्पर्धा और वैश्विक आर्थिक सुस्ती बनी हुई है। लेकिन यहीं मोदी सरकार की विदेश नीति अलग दिखती है। यह जोखिम से भागती नहीं, उसे मैनेज करती है। मोदी सरकार जानती है कि बहुध्रुवीय विश्व में निष्क्रियता सबसे बड़ा खतरा है। मोदी की यह पश्चिम एशिया-अफ्रीका कूटनीति लेन-देन से आगे जाकर रणनीतिक हेजिंग की परिपक्व मिसाल है। आने वाले वर्षों में जब ऊर्जा, खाद्य और समुद्री मार्गों पर संघर्ष तेज होगा, तब यह यात्रा एक दूरदर्शी कदम के रूप में याद की जाएगी, जिसने भारत को न केवल सुरक्षित किया, बल्कि निर्णायक भी बनाया। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5946

संकेतः बाएं से दाएं

1. 21 अप्रैल 1977 को मेजर जनरल जियउर्रहमान इस देश के राष्ट्रपति निुक्त हुए (4)
4. आश्रय, शरण लेने की जगह, परित्राण (3)
6. भयजनक, खतरे से पूर्ण (5)
8. मुग्ध होना, प्रसन्न होा (3)
10. दुर्भाव, द्वेष, बैर (2)
13. जिसकी कोई सीमा न हो, अनंत, बेहद,बेहिसाब (3)
14. अंदाज, अनुमान, कयास (4)
16. निषिद्ध करना, वर्जित करना (5)
18. वर्षा के जल को यह भी कहते है (2)
20. नेत्र, आंख, नयन (2)
21. करीने से काटना या कतरना (4)
22. पश्चिमी अफ्रीका के इस देश की राजधानी अकरा है (2)

ऊपर से नीचे

1. इस वाद्य का आविष्कार मतंग ने किया था मतंग का लिखा इस वाद्य का पहला ग्रंथ आज उपलब्ध नहीं है (3)
2. अवलोकन करना, निहारना, निरीक्षण करना (3)
3. सौ की पूर्ण संख्या, सौ का सूचक अंक (2)
4. कच्चे आम या इमली का बना खट्ठा-मीठा पदार्थ (2)
5. जब वस्तु आदि ठीक सामने हो (6)
7. सूजी, कण (2)
9. वेगपूर्वक किसी की ओर बढ़ना (4)
11. किसी व्यक्ति, प्राणी आदि का बोधनक सूचक शब्द, ख्याति, शोहरत (2)
12. लहरदार किनारा, लटकने वाला हाशिया (3)
14. कर्मचारी मंडल, लक्ष्मी, संवादहीन फिल्म पुष्पक की नायिका (1987)(3)
15. क से ह तक की वर्णमाला (4)
17. नृत्य करना, संगीत के सुरताल से अंगों को संचालित करना (3)
19. शुगर बॉउल वॉफ द वर्ल्ड कहलाने वाले क्यूबा देश की राजधानी (3)

वर्ग पहेली 5945 का हल

ऑ	स्ट्रे	लि	या	■	सा	हि	ल
स्क	■	प	त	नी	य	■	क्ष्य
र	प	ट	ना	■	रा	त	■
■	दा	ना	■	उ	बा	ल	ना
ता	व	■	न	■	नो	■	रं
म	न	भा	व	न	■	बा	गी
स	त	■	नी	म	न	■	■
■	■	व	त	न	■	■	गौ

हर चयन में इन तीन बातों का खास ख्याल रखती है बीजेपी, नितिन नबीन भी उसी रणनीति का हिस्सा

(योगेश सिंह)

नितिन नबीन ने बीजेपी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पद संभाल लिया है। पांच बार के विधायक और दो बार बिहार सरकार में मंत्री रह चुके नितिन नबीन के पास संगठन में काम करने का भी अनुभव है। वह भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री रह चुके हैं। नितिन नबीन को पार्टी की कमान देकर भाजपा ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि वो लगातार भविष्य की रणनीति पर काम कर रही है। आइए आपको बताते हैं बीजेपी अपनी भविष्य की रणनीति तय करते समय किन बातों का रखती है ख्याल।देश और दुनिया की सबसे बड़ी सियासी पार्टी होने का दावा करने वाली बीजेपी लगातार नई लीडरशिप पर फोकस करते हुए फैसले ले रही है। ये फैसले सिर्फ संगठन स्तर पर नहीं, बल्कि सरकार स्तर पर भी लिए जा रहे हैं। हरियाणा में नायब सिंह सैनी, मध्य प्रदेश में मोहन यादव, राजस्थान में भजन लाल शर्मा, दिल्ली में रेखा गुप्ता और ओडिशा में मोहन चरण माझी इसका ताजा उदाहरण हैं। बीजेपी न सिर्फ अगली पीढ़ी की लीडरशिप पर ही काम रही है, विपक्षी पार्टियों की सोच से कही आगे की रणनीति पर काम कर रही है। भविष्य की लीडरशिप तैयार करने पर बीजेपी का कितना फोकस है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आरएसएस की स्टूडेंट विंग या कहें कि संघ की नर्सरी - एबीवीपी - से आने वाले युवाओं को संगठन और सरकार में जिम्मेदारी वाली भूमिकाएं दी जा रही हैं। बीजेपी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव रोहित चहल, यूपी में योगी आदित्यनाथ के पहले कार्यकाल में उनके ओएसडी रहे अभिषेक कौशिक, यूपी बीजेपी के पिछले अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के सहयोगी नितेश तोमर, यूपी के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के सहयोगी राहुल सारस्वत इसके सबसे अच्छे उदाहरण हैं। ये सभी कुछ समय पहले तक छात्र राजनीति राजनीति में एक्टिव थे। नरेंद्र मोदी की बीजेपी लगातार बीजेपी का दायरा बढ़ा रही है। पार्टी ओबीसी समुदाय पर फोकस कर रही है। इसी कड़ी में ओबीसी समुदाय से आने वाले कई नेताओं को संगठन और सरकार में जिम्मेदारी है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उसके परंपरागत जनरल कैटेगरी के कैडर को नजरअंदाज किया जा रहा है। बीजेपी लगातार ओबीसी और जनरल कैटेगरी के बीच बैलेंस बनाकर चल रही है। पार्टी ने यूपी जैसे बड़े राज्य सहित कई अन्य राज्यों में ओबीसी कैटेगरी से आने वाले नेताओं को संगठन की कमान दी है तो वहीं कायस्थ समाज से आने वाले नितिन नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर स्पष्ट कर दिया है कि वह सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर अपनी रणनीति पर काम करेगी। अन्य दलों में जहां नेतृत्व परिवर्तन एक जटिल विषय है, इसके ठीक उलट बीजेपी ने इसे बेहद सहज बनाकर दिखाया है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में वसुंधरा राजे, शिवराज सिंह चौहान और रमन सिंह जैसे बड़े चेहरों की जगह मोहन यादव, भजनलाल शर्मा और विष्णु देव साय जैसे अपेक्षाकृत नए नेताओं को आगे लाकर नेतृत्व चुनने की शक्ति को केंद्रीय नेतृत्व और संसदीय बोर्ड के हाथ में मजबूती से केंद्रित किया है। राष्ट्रीय स्तर पर भी अमित शाह से जेपी नड्डा और जेपी नड्डे से नितिन नबीन को संगठन की कमान सौंपकर बीजेपी ने इसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

आज का राशिफल

मेष

आज का दिन पूर्ण रहने वाला है। आपके सामने ढेर सारी जिम्मेदारियां खड़ी करेगा। सभी को निपटाना आपके लिए आज मुश्किल दिखेगा। सुव्यवस्था करने में आपका कोई सानी नहीं है और आप कर सकते। सभी की उम्मीदों पर खरा उतरने की आपकी विशेषता आज भी आपको यश दिलाएगी।

वृष

आज राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी आज आपसे आगे निकलने का प्रयास करेंगे। आप धीरे-धीरे सफलता की ओर कदम बढ़ाएंगे। लेकिन कोई नया कार्य शुरू करने के लिए समय अनुकूल नहीं है। दिन का काम जल्दी खत्म करके सायंकाल का समय परिवार के साथ बिताना आपके लिए बेहतर रहेगा।

मिथुन

आज का दिन सामान्य रहने वाला है। हालांकि आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। ऐसे में बौद्धिक तथा व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता प्राप्ति के योग हैं। संतान पक्ष की ओर से आज के दिन आपको कोई हर्ष दायक समाचार सुनने को मिल सकता है।

कर्क

आज शुभ कार्यों में आपकी दिलचस्पी बढ़ेगी। आज के दिन लिया गया कोई निर्णय आगे चलकर आपके लिए लाभप्रद रहेगा। संतान पक्ष के विवाह में आ रही अड़चनें समाप्त होती दिख रही है। आपके जन संपर्क में वृद्धि होगी। इससे आपको प्रसन्नता होगी।

सिंह

आज के दिन विरोधियों का षड्यंत्र असफल रहेगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों पर शुभ व्यय होने से मन में हर्ष होगा। बहुत समय से चली आ रही कटुता आपसी समझौते से समाप्त होती दिख रही है। कोई नया परिचय मित्रता में परिवर्तित हो सकता है।

कन्या

आज पराक्रम भाव घर में संचार कर रहे हैं। इसके फलस्वरूप वृद्धजनों की सेवा तथा पुण्य कार्यों पर धन व्यय होने से मन में हर्ष रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको सफलता मिलेगी। प्रतिद्वंदियों के लिए आप सिरदर्द बने रहेंगे। इस दौरान आपका दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। जीवनसाथी का आपको सहयोग मिलेगा।

तुला

आज का दिन अधिक मेहनत के बाद भी आपको पूरा फल प्राप्त नहीं होगा। आपकी आय कम रहेगी और खर्चे अधिक होंगे। इस दौरान आपके गुप्त शत्रु भी सक्रिय रहेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ करनी पड़ सकती है। पारिवारिक जीवन में भी अशांति रहेगी। सूर्यास्त होते समय कुछ राहत मिल जाएगी।

वृश्चिक

आज का दिन चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। हालांकि, कोई महत्वपूर्ण व्यावसायिक अनुबंध आपके पक्ष में फाइनल हो सकता है। यदि आप आज अपनी बात दूसरों तक पहुंचाने में कामयाब हो जाए तो आने वाले दिनों में वरिष्ठ अधिकारी भी आपकी प्रशंसा करेंगे।

धनु

आज दिन में व्यय भाव में संचार कर रहा है। ऐसे में राज्य कार्यों में सफलता मिलेगा और घर में धन धान्य की वृद्धि होगी। इसके साथ ही पत्नी से धन का लाभ मिलने की भी संभावना दिख रही है। धनु राशि वालों को शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी और मनोरथ सिद्धि होंगे। वहीं, रात्रि में मंगलमय समारोह में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा।

मकर

आज का दिन विजय कारक है। आज सत्पुरुषों के मिलने से मन में प्रसन्नता होगी। उच्चाधिकारियों का सहयोग मिलेगा। इससे भूमि-जायदाद संबंधी विवाद का समाधान हो सकता है। सायंकाल के समय आपका स्वास्थ्य कुछ ढीला हो सकता है।

कुंभ

आज कर्मफल की सिद्धि कारक है। कहीं से कमा कमाया धन मिलने का योग बन रहा है। किसी वृद्ध महिला का आशीर्वाद मिलने से उन्नति के विशेष अवसर प्राप्त होंगे। बहुत समय से भाई बिन्दुओं से चला आ रहा विवाद सुलझ जाएगा।

मीन

आज पूरे दिन आय के नए स्रोत सामने आएंगे। विरोध पक्ष पराजित होगा। आपके भाग्य का सितारा फिर से चमकने लगेगा। व्यवसाय में अधिक धन लगाना लाभकारी रहेगा। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा के योग है।

45 साल में पहली बार हुआ ऐसा, चांदी ने कच्चे तेल को पीछे छोड़ा

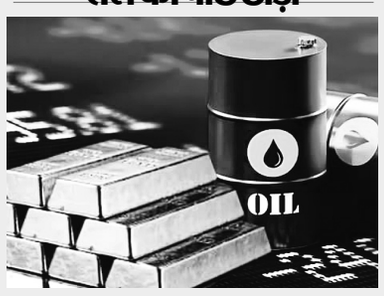

नई दिल्ली, एजेंसी। चांदी की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है। हाल में इसकी कीमत पहली बार 2 लाख रुपये प्रति किलो के पार पहुंच गई जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह 65 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गई। दूसरी तरफ डब्ल्यूटीआई क्रूड 55.93 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेंट क्रूड 59.71 डॉलर प्रति बैरल पर है। 1980 के बाद यह पहला मौका है जब चांदी की कीमत कच्चे तेल से ऊपर गई है। 2022 के मध्य में डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत चांदी से करीब 5.5 गुना ज्यादा थी। उसके बाद से चांदी की कीमत में 206 फीसदी तेजी आई है जबकि कच्चे तेल की कीमत में 44 फीसदी गिरावट आई है। डब्ल्यूटीआई क्रूड के लिए यह साल महामारी के बाद सबसे खराब साल होने जा रहा है जबकि चांदी के लिए यह 1979 के बाद सबसे बेहतर साल है। इस साल चांदी की कीमत में 115 फीसदी तेजी आई है। इसकी वैल्यूएशन भी माइक्रोसॉफ्ट से ऊपर पहुंच चुकी है और यह दुनिया की पांचवीं सबसे वैल्यूएबल एसेट है। एमसीएक्स पर आज चांदी की कीमत में मामूली गिरावट दिख रही है। 5 मार्च को डिलीवरी वाली चांदी शाम 6.00 बजे 423 रुपये यानी 0.21 की गिरावट के साथ 1,97,478 रुपये प्रति किलो पर ट्रेड कर रही थी। पिछले सत्र में यह 1,97,901 रुपये पर बंद हुई थी और आज 1,95,056 रुपये पर खुली। आज यह कारोबार के दौरान 1,94,260 रुपये तक नीचे और 1,97,708 रुपये तक हाई गई। जानकारों का कहना है कि इंडस्ट्रियल मांग के कारण चांदी की कीमत में तेजी आ रही है।

इंडियन ओवरसीज बैंक में सरकार बेच रही 3 प्रतिशत हिस्सेदारी

अब 36 वाले शेयर पर रहेगी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार के निवेशकों की नजर बुधवार को सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) पर होगी। दरअसल, केंद्र सरकार ने बैंक में तीन प्रतिशत तक हिस्सेदारी का विनिवेश बिक्री पेशकश (ओएफएस) के जरिये करने का फैसला किया है। बुधवार से शुरू होने वाली इस हिस्सेदारी बिक्री से सरकार को मौजूदा बाजार भाव पर करीब 2,100 करोड़ रुपये मिलने का अनुमान है। बता दें कि मंगलवार को बीएसई पर आईओबी का शेयर 1.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 36.57 रुपये पर बंद हुआ। आईओबी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि सरकार मूल पेशकश के तहत दो प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर 38.51 करोड़ शेयर बेचेगी। इसके अलावा ग्रीन शू विकल्प यानी अतिरिक्त बोली आने पर उसे रखने के तहत अतिरिक्त एक प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर 19.25 करोड़ शेयर भी बेचने का विकल्प रखा गया है। कुल मिलाकर यह बैंक की चुकता इक्विटी पूंजी का तीन प्रतिशत है। निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव अरुणिश चावला ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा- आईओबी का ऑफर फॉर सेल बुधवार को गैर-खुदरा निवेशकों के लिए खुलेगा जबकि खुदरा निवेशक बृहस्पतिवार को बोली लगा सकेंगे।

रुपये की गिरावट... कहां फायदा, किसे है नुकसान कन्फ्यूजन दूर कर देगी रिपोर्ट

रिपोर्ट कहती है कि कुछ क्षेत्रों को लाभ होता है, आयात महंगा होने से फायदा कम हो जाता है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रुपये के कमजोर होने से एक बात पर बहस फिर से छिड़ गई है। वह यह कि क्या कमजोर मुद्रा वास्तव में भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ाती है। सिस्टमैटिक्स रिसर्च की नई रिपोर्ट के अनुसार, करेंसी का कमजोर होना अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग परिणाम देता है। कई बार यह व्यापार संतुलन को बेहतर बनाने के बजाय बिगाड़ देता है। रिपोर्ट बताती है कि इलेक्ट्रॉनिक्स, रसायन, मशीनरी और पेट्रोलियम उत्पाद जैसे क्षेत्रों को कमजोर रुपये से निर्यात में कुछ फायदा होता तो है, लेकिन आयात पर उनकी भारी निर्भरता के कारण यह लाभ काफी कम हो जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि करेंसी के कमजोर होने से इलेक्ट्रॉनिक्स, रसायन, मशीनरी और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात को फायदा होता है। लेकिन, आयात पर ज्यादा निर्भरता के कारण आयात की लागत बढ़ जाती है। इससे होने वाले फायदे खत्म हो जाते हैं और व्यापार घाटा बढ़ जाता है। मैन्युफैक्चरिंग में कच्चे माल के आयात की लागत लगभग एक तिहाई है। इनपुट लागत बढ़ने से निर्यात प्रतिस्पर्धा कम हो जाती है और कुल आयात बिल बढ़ जाता है।

इसके उलट रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य और कृषि-आधारित निर्यात ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जिसे रुपये के कमजोर होने से लगातार फायदा होता है। आयात पर कम निर्भरता के कारण यह क्षेत्र न केवल अधिक निर्यात करता है, बल्कि व्यापार संतुलन में भी सुधार दिखाता है। रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि खाद्य और कृषि-आधारित निर्यात ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जहां मुद्रा का कमजोर होना निर्यात में बढ़ोतरी और व्यापार संतुलन में सुधार दोनों से जुड़ा हुआ है। कारण है कि इसमें आयात की लागत कम होती है। इस संरचनात्मक लाभ के कारण मुद्रा की कमजोरी सीधे तौर पर क्षेत्र के लिए बाहरी लाभ में बदल जाती है।

टेक्सटाइल, लेदर सेक्टर पर कैसे पड़ता है असर

यह निष्कर्ष श्रम-गहन क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से चिंताजनक हैं, जिन्हें अक्सर कमजोर मुद्रा से सबसे ज्यादा फायदा होने की उम्मीद की जाती है। आम धारणा के उलट रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि रुपये के कमजोर होने का कपड़ा और चमड़ा जैसे क्षेत्रों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि कपड़ा और चमड़ा जैसे श्रम-गहन क्षेत्रों के लिए करेंसी का कमजोर होना नकारात्मक प्रभाव डालता है। आयातित मध्यवर्ती वस्तुओं की बढ़ती लागत, वैश्विक मांग में कमजोरी के साथ मिलकर, इन क्षेत्रों में मूल्य निर्धारण शक्ति और लाभप्रदता को कमजोर करती है। व्यापक रूप से रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि निर्यात पर रुपये के कमजोर होने के किसी भी सकारात्मक प्रभाव को वैश्विक परिस्थितियों के बिगड़ने से बेअसर किया जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि धीमी ग्लोबल ग्रोथ, बढ़ता संरक्षणवाद और आयातित इनपुट की बढ़ती लागत, ये सब मिलकर मुद्रा-आधारित प्रतिस्पर्धात्मकता लाभों पर हावी हो जाते हैं। अध्ययन में बताया गया है कि रुपये के कमजोर होने का निर्यात पर सकारात्मक प्रभाव धीमी वैश्विक वृद्धि से बेअसर हो सकता है, जो बढ़ते संरक्षणवाद और आयातित इनपुट की लागत में बढ़ोतरी के कारण होता है। नतीजतन, मुद्रा कमजोर होने के बावजूद कई निर्यात-उन्मुख क्षेत्र संरचनात्मक तनाव का सामना करते हैं।

गांव का छोरा अब 9,448 करोड़ का मालिक, वो एक आइडिया जिसने बदल दी किस्मत

नई दिल्ली, एजेंसी। ललित केशरे इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म ग्रो के सह-संस्थापक और सीईओ हैं। उनकी कहानी दृढ़ संकल्प और अदम्य साहस का शानदार उदाहरण है। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में एक छोटे से गांव लेपा में किसान परिवार में जन्मे ललित ने सीमित संसाधनों और गंभीर वित्तीय चुनौतियों का सामना किया। अपनी मेहनत के दम पर उन्होंने देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक आईआईटी-जेईई को क्रैक किया। फिर आईआईटी बॉम्बे से अपनी शिक्षा पूरी की। फ्लिपकार्ट में शुरुआती करियर के बाद उन्होंने 2016 में ग्रो की स्थापना की। इसने करोड़ों नए निवेशकों के लिए निवेश को सरल बना दिया। आज, उनकी कंपनी में 9.06 प्रतिशत हिस्सेदारी का मूल्य 9,448 करोड़ रुपये से ज्यादा है। इसने उन्हें आधिकारिक तौर पर भारतीय अरबपतियों की सूची में शामिल कर दिया है। आइए, यहां ललित केशरे की सफलता के सफर के बारे जानते हैं। 2016 में जब ललित केशरे फ्लिपकार्ट में नौकरी कर रहे थे, तब उन्होंने हर्ष जैन को अपना यह आइडिया बताया। हर्ष को केशरे का आइडिया बहुत पसंद आया। इसके बाद नीरज सिंह और ईशान बंसल भी टीम का हिस्सा बने। चारों ने मिलकर उस विचार को मूर्त रूप दिया जिसने उनकी जिंदगी बदल दी। उनका उद्देश्य एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाना था जो सभी के लिए निवेश को आसान और सुलभ बना सके। इसने भारत के अग्रणी इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म ग्रो को जन्म दिया। ललित केशरे इसके सह-संस्थापक और सीईओ हैं।

कंपनी की लिस्टिंग के बाद वह अब लगभग 9,448 करोड़ रुपये मूल्य की 9.06 प्रतिशत हिस्सेदारी के मालिक हैं। इसने उन्हें आधिकारिक तौर पर देश के अरबपतियों की सूची में शामिल कर दिया है। मुश्कलि वक्त में सबसे ज्यादा लोकप्रियता 2016 में लॉन्च होने के बाद ग्रोथ ने तेजी से निवेशकों के बीच लोकप्रियता हासिल की। कोरोना महामारी के दौरान जब लाखों लोगों ने पहली बार निवेश करना शुरू किया, तब यह प्लेटफॉर्म काफी ज्यादा लोकप्रिय हो गया।

ऐसे आया आइडिया

आईआईटी से पढ़ाई पूरी करने के बाद ललित केशरे ने अपनी पेशेवर यात्रा की शुरुआत फ्लिपकार्ट से की। वहां वह शुरुआती प्रोडक्ट मैनेजर्स में से एक थे। उन्होंने फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हालांकि, जल्द ही उन्होंने अपना कुछ बनाने का निर्णय लिया। ललित केशरे ने शेयर बाजार में निवेश करने का फैसला किया और शेयर खरीदे। शेयर खरीदने की कागजी औपचारिकताएं और लंबी प्रक्रिया देखकर वह हैरान रह गए। उन्होंने सोचा कि अगर एक इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले व्यक्ति को शेयर खरीदने में इतनी परेशानी हो सकती है तो आम आदमी के लिए यह कितना मुश्किल होगा।

चीन ने भारत को बड़े नुकसान से बचा लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का चीन के साथ 100 अरब डॉलर का बड़ा व्यापार घाटा है। लेकिन, अब पेट्रोलियम उत्पाद और इलेक्ट्रॉनिक सामान भारत के निर्यात को बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-नवंबर 2024 में चीन को भारत का निर्यात 9.20 अरब डॉलर था। वहीं, अप्रैल-नवंबर 2025 में यह बढ़कर 12.22 अरब डॉलर हो गया। यह पिछले साल की तुलना में 32.83 फीसदी की जबरदस्त बढ़ोतरी है।

चीन को निर्यात में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर भारी भरकम टैरिफ लगाए हैं। अमेरिका में भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लागू हैं। चीन को निर्यात में यह बढ़ोतरी का आंकड़ा दिखाता है कि भारत ने अपने एक्सपोर्ट में डायवर्सिफिकेशन किया है। इससे भारत को अमेरिकी बाजार में हुए नुकसान की भरपाई करने में मदद मिली है। चीन जैसे देशों में यह निर्यात न बढ़ता तो भारत को नुकसान हो सकता था। इस तरह भारत को अपने एक्सपोर्ट में डायवर्सीफिकेशन का फायदा मिला है।

चीन को निर्यात में पेट्रोलियम उत्पादों का सबसे बड़ा योगदान रहा। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक सामान, समुद्री उत्पाद और तेल खली का नंबर आता है। एक अधिकारी ने बताया कि यह तेज बढ़ोतरी चीन के साथ व्यापार में मजबूती को दिखाता है। यह प्रमुख सामानों की बढ़ती मांग और निर्यात के अच्छे प्रदर्शन के कारण हुआ है।

भारत और चीन के बीच व्यापार में यह बदलाव महत्वपूर्ण है। खासकर तब जब भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा (ट्रेड डेफिसिट) काफी ज्यादा है। पेट्रोलियम उत्पादों और इलेक्ट्रॉनिक सामानों के निर्यात में इजाफा इस घाटे को कुछ हद तक कम करने में सहायक हो सकता है। यह दिखाता है कि भारतीय कंपनियां चीन के बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर रही हैं। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा हमेशा चिंता का वषिय रहा है। इसे घटाने को लेकर हाल में काफी प्रयास कएि गए हैं।

व्यापार घाटा एक आर्थिक स्थिति है जो किसी देश के आयात और निर्यात के बीच के अंतर को दर्शाता है। जब कोई देश निर्यात से जितना कमाता है, उससे ज्यादा आयात पर खर्च करता है तो इस अंतर को व्यापार घाटा कहा जाता है।

85 साल की उम्र तक निवेश, 80 प्रतिशत तक निकासी... एनपीएस के नियमों में हुए 10 बड़े बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी।
नेशनल पेंशन सिस्टम में निवेश करने वालों के लिए अच्छी खबर है। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ने एनपीएस सब्सक्राइबर्स के लिए कई बड़े बदलाव किए हैं। ये बदलाव

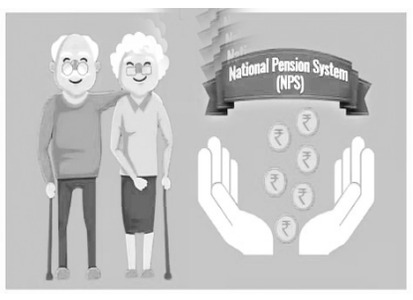

सरकारी, गैर-सरकारी और एनपीएस-लाइट स्वावलंबन के सभी सब्सक्राइबर्स पर लागू होंगे। इन बदलावों से एनपीएस को और भी लचीला और फायदेमंद बनाया गया है। यहां हम आपके ऐसे 10 नियमों के बारे में बता रहे हैं जिनमें बदलाव किया गया है।

सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब एनपीएस सब्सक्राइबर्स 75 साल की उम्र की बजाय 85 साल की उम्र तक भी अपने एनपीएस खाते में निवेश जारी रख सकते हैं। यह सुविधा सरकारी और गैर-सरकारी दोनों तरह के सब्सक्राइबर्स के लिए है। इसका मतलब है कि आप अपनी रिटायरमेंट प्लानिंग को और लंबा खींच सकते हैं और ज्यादा पैसा जमा कर सकते हैं।

पहले, जब आप रिटायर होते थे या कुछ खास परिस्थितियों में, तो आपको अपने कुल जमा पैसे का 40 प्रतिशत हिस्सा एन्युटी खरीदने में लगाना पड़ता था। खासकर अगर आपका जमा कॉर्पस 5 लाख रुपये से ज्यादा था तो ऐसा करना पड़ता था। लेकिन अब, गैर-सरकारी क्षेत्र के सब्सक्राइबर्स के लिए यह नियम बदल गया है। अब वे अपने कुल जमा पैसे का सिर्फ 20 प्रतिशत हिस्सा ही एन्युटी खरीदने में लगा सकते हैं। एन्युटी एक तरह की पेंशन योजना होती है जो रिटायरमेंट के बाद आपको नियमित आय देती है। एक और बड़ा बदलाव यह है कि अब सरकारी और गैर-सरकारी दोनों तरह के सब्सक्राइबर्स अपने एनपीएस खाते से 100 प्रतिशत रकम एक साथ निकाल सकते हैं, भले ही उनका जमा कॉर्पस 8 लाख रुपये या उससे कम हो। पहले यह सुविधा कुछ खास शर्तों के साथ ही मिलती थी।

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

सार्वजनिक सूचना

श्री जीवन सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह ने ने इन दस्तावेजों के गुम होने के कारण ड्वेलिंग यूनिट सं. **5249/3**, श्रेणी-I, मॉडर्न हाउसिंग कॉम्पलेक्स, मनीमाजरा, चंडीगढ़ के संबंध में आवंटन पत्र,, कब्जा प्रपत्र, नो ड्यू सर्टिफिकेट, कन्वर्जन लेटर फॉर्म लीज होल्ड से फ्री होल्ड की डुप्लीकेट प्रति जारी करवाने हेतु चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड को संपर्क किया है। **श्री जीवन सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह** ने उक्त कथित दस्तावेजों के गुम होने के संबंध में क्र सं. 452779 एल.ए.आर. नं. 2025/038306 दिनांक 10.12.2025 के तहत चंडीगढ़ पुलिस मनीमाजरा, चंडीगढ़ में शिकायत भी दर्ज कराई है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट के संबंध में कथित **श्री जीवन सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह** के पक्ष में आवंटन पत्र,, कब्जा प्रपत्र, नो ड्यू सर्टिफिकेट, कन्वर्जन लेटर फॉर्म लीज होल्ड से फ्री होल्ड की डुप्लीकेट प्रति जारी करने करने के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के अंदर अधोहस्ताक्षरी को लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे, जिसमें असफल होने पर दस्तावेज जारी कर दिए जाएंगे। आगे, यदि किसी को उक्त निर्दिष्ट मूल दस्तावेज प्राप्त होते हैं, तो उक्त वर्णित पुलिस स्टेशन अथवा अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत करे।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

सार्वजनिक सूचना

विषयः आवंटी/हस्तांतरी **श्रीमती उषा देवी पत्नी स्व. श्री राम चन्द्र जाटव (राम चन्द्र/राम चन्द्र जाटव)** की निर्वसीयत मृत्यु के आधार पर **श्री सुमित कुमार पुत्र स्व. श्री राम चन्द्र जाटव (राम चन्द्र)** के नाम में सेक्टर 40-डी, चंडीगढ़ में श्रेणी-एलआईजी की डी.यू.सं. **3279** के आवंटन/पंजीकरण का हस्तांतरण/नामांत्रण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि सेक्टर 40-डी, चंडीगढ़ में श्रेणी-एलआईजी की ड्वेलिंग यूनिट सं. **3279** की स्वामी **श्रीमती उषा देवी पत्नी स्व. श्री राम चन्द्र जाटव (राम चन्द्र/राम चन्द्र जाटव)** की उनके कानूनी उत्तराधिकारियों द्वारा सूचित अनुसार **22.06.2025** को, **चंडीगढ़** में मृत्यु हो चुकी है। **श्री सुमित कुमार पुत्र स्व. श्री राम चन्द्र जाटव (राम चन्द्र)** ने **श्रीमती उषा देवी पत्नी स्व. श्री राम चन्द्र जाटव (राम चन्द्र/राम चन्द्र जाटव)** की निर्वसीयत मृत्यु के आधार पर अपने नाम में सेक्टर 40-डी, चंडीगढ़ में श्रेणी-एलआईजी की ड्वेलिंग यूनिट सं. **3279** के स्वामित्व के हस्तांतरण हेतु निवेदन किया है। उनके द्वारा आगे सूचित किया गया है कि कोई अन्य कानूनी उत्तराधिकारी पीछे नहीं छोड़ा गया है।

यदि किसी व्यक्ति को ड्वेलिंग यूनिट में दावा/अधिकार/रूचि के संबंध में कोई आपत्ति हो, जो चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड द्वारा **श्री सुमित कुमार (पुत्र)** के पक्ष में हस्तांरित की जानी प्रस्तावित है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 21 दिनों के अंदर लिखित में अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत कर सकता/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर उक्त ड्वेलिंग यूनिट का पंजीकरण एवं आवंटन उक्त कथित दावेदारों के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

सार्वजनिक सूचना

संपदा अधिकारी, यूटी चंडीगढ़ की शक्तियों के निर्वहन में सचिव, सीएचबी के समक्ष।

विषयः आवंटी/हस्तांतरी **श्री कन्हैया लाल गर्ग पुत्र श्री तारा चंद** के नाम से **(i) श्री विपन कुमार प्रभाकर पुत्र श्री जगन नाथ प्रभाकर एवं (ii) श्रीमती प्रिया प्रभाकर पत्नी श्री विपन कुमार प्रभाकर** के नाम में बिक्री विलेख के आधार पर सेक्टर 38-डब्ल्यू, चंडीगढ़ में श्रेणी-एमआईजी की ड्वेलिंग यूनिट सं. **5687-ए** के संबंध में स्वामित्व अधिकार का हस्तांतरण/नामांत्रण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि सेक्टर 38-डब्ल्यू, चंडीगढ़ में श्रेणी-एमआईजी की ड्वेलिंग यूनिट सं. **5687-ए** आवंटी/हस्तांतरी **श्री कन्हैया लाल गर्ग पुत्र श्री तारा चंद** के नाम में दर्ज है। अब, **श्री कन्हैया लाल गर्ग पुत्र श्री तारा चंद** ने **06.10.2025** को उप रजिस्ट्रार, चंडीगढ़ के कार्यालय में पंजीकृत एवं निष्पादित बिक्री विलेख के तहत **(i) श्री विपन कुमार प्रभाकर पुत्र श्री जगन नाथ प्रभाकर एवं (ii) श्रीमती प्रिया प्रभाकर पत्नी श्री विपन कुमार प्रभाकर** को उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट बेच दी है। **(i) श्री विपन कुमार प्रभाकर पुत्र श्री जगन नाथ प्रभाकर एवं (ii) श्रीमती प्रिया प्रभाकर पत्नी श्री विपन कुमार प्रभाकर** ने बिक्री विलेख के आधार पर अपने नाम में उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट के हस्तांतरण हेतु इस कार्यालय में निवेदन किया है।

यदि किसी व्यक्ति को आवेदक के पक्ष में कथित संपत्ति के हस्तांतरण में कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/सकती/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर कथित ड्वेलिंग यूनिट का स्वामित्व उक्त दावेदारों के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतदद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्तियों ने चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड (आवंटन, प्रबंधन एवं टेनामेंट की बिक्री) विनियमनों 1979 के विनियमन के अंतर्गत उनके नामों में ड्वेलिंग यूनिट के उपहार/बिक्री/खरीद हेतु अनुमति के लिए आवेदन किया है :-

क्र. सं.	खरीददार का नाम	विक्रेता का नाम	डी.यू. सं.	श्रेणी	सेक्टर
1.	श्री अजय कुमार बंटा पुत्र श्री सत्य प्रकाश बंटा	श्री दलजीत सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह	3028-बी	एलआईजी	52, चंडीगढ़
2.	श्रीमती लीला देवी (LEELA DEVI) पत्नी श्री टी.एन. सिंह	श्री अनिल हंस पुत्र श्री चमन लाल हंस	3311-1	ईडब्ल्यूएस	47-डी, चंडीगढ़
3.	श्री विकास राणा पुत्र स्व. श्री शुभकरण, जीपीए धारक श्रीमती सपना देवी पत्नी श्री विकास राणा के माध्यम से।	(I) श्री पूरन चंद पुत्र स्व. श्री फतेह सिंह राणा (25% हिस्सा) और (II) श्री रविंदर सिंह पुत्र स्व. श्री फतेह सिंह राणा (25% हिस्सा)	38531	एलआईजी	47-डी, चंडीगढ़

यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट के संबंध में बिक्री/खरीद हेतु कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति, यदि कोई हो, इस सूचना के प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर लिखित में दस्तावेजी प्रमाण, यदि कोई हो, के साथ अधोहस्ताक्षरी के समक्ष दर्ज करें।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

ऑनलाइन सीखें स्पोकन इंग्लिश

बच्चे हों या बूढ़े इन दिनों हाथों हाथ मोबाइल होना आम बात है। शॉपिंग, मूवी, मनी ट्रांसफर, बैंकिंग, गेम्स आदि सबकुछ की ऑनलाइन सुविधा है। ऐसे में हर कोई अपने-अपने स्मार्टफोन में ही बिजी है। महिलाओं के लिए भी इंटरनेट ने काफी सुविधाएं दे रखी हैं। खाना बाना से लेकर सिलाई-बुनाई जैसी कई जरुरी चीजों की जानकारी हमें गूगल के माध्यम से मिल जाती है। यहां तक पढ़ाई के लिए भी कई सारे ऐप्स और वेबसाइट्स इंटरनेट पर इजिली आपको मिल जाएंगे। इसका सही इस्तेमाल कर आप घर बैठे ही अपनी अंग्रेजी भी ठीक कर सकती हैं। अगर आप घर बैठे इंग्लिश स्पोकन सीखना चाहती हैं, तो आपको अब ज्यादा खर्च भी नहीं लगेगा। यहां हम आपको इंग्लिश स्पोकन के कुछ ऐसे वेबसाइट्स बताएंगे, जहां से आप बिल्कुल फ्री स्पोकन सीख सकती हैं।

ऐप्स की लें मदद

ऑनलाइन इंग्लिश सीखने के लिए आपको अपने एंड्रॉयड फोन या आईफोन में लैंग्वेज लर्निंग ऐप्स डाउनलोड कर सकते है। यहां आपको ढेर सारे ऐप्स मिलेंगे। कुछ बिल्कुल फ्री तो कुछ में डेमो क्लास के बाद फीस देनी होती है। आप डेमो क्लास से भी बेसिक इंग्लिश सीख जाएंगी।

ऑनलाइन इंग्लिश न्यूजपेपर

किसी भी भाषा पर अच्छी पकड़ बनाने के लिए न्यूजपेपर बहुत अच्छा मीडियम माना जाता है। ऐसे में आप चाहें तो अपने फोन या लैपटॉप में कुछ इंग्लिश न्यूजपेपर के ऐप्स को डाउनलोड कर कर सकते हैं।

मोबाइल या लैपटॉप में पढ़ें किताबें

इंग्लिश रीडिंग डालने से भी स्पोकन अच्छी होती है। ऐसे में आप चाहें तो ऑनलाइन किताबें भी पढ़ सकती हैं। इसका फायदा यह होता है कि आप कभी भी और कहीं भी उसे एक्सेस कर सकती हैं। वर्ड पावर बढ़ाने के लिए आप ऑनलाइन डिक्शनरी भी पढ़ सकती हैं। इससे रोजाना कुछ शब्द भी याद होंगे और उनसे इंग्लिश स्पोकन की प्रैक्टिस में भी मदद मिलेगी।

पॉडकास्ट भी है अच्छा ऑप्शन

इन दिनों पॉडकास्ट का क्रेज काफी बढ़ गया है। आप कभी भी इंग्लिश पॉडकास्ट सुनकर अपनी इंग्लिश स्पोकन के साथ कम्युनिकेशन स्किल बढ़ा सकती हैं। इससे आपको शब्दों का सही उच्चारण सीखने का मौका मिलेगा। इन्टरनेट पर हजारों इंग्लिश पॉडकास्ट आपको मिल जाएंगे।

भारत में लगातार विकसित हो रहा है फैशन उद्योग

फैशन के क्षेत्र में अपना परचम लहराने के लिए प्रोफेशनल्स का कौशल, ज्ञान व प्रदर्शन ही उन्हें दूसरों से अलग करता है। सिर्फ चंद किताबें रट कर फैशन अथवा उसकी बिक्री करने की कला नहीं सीखी जा सकती। मौजूदा बाजार माहौल के कारण अब पहले की अपेक्षा कहीं अधिक जरूरी हो गया है कि आप अपने कार्य कौशलों को बढ़ा कर फैशन इंडस्ट्री में अपनी रचनात्मकता को आजमाएं।

एक अध्ययन के मुताबिक भारत की फैशन इंडस्ट्री इस समय 200 करोड़ का आंकड़ा छू रही है तथा बड़े डिजाइनरों की सालाना बिक्री लगभग 25 करोड़ रुपए है, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह बाजार 35 बिलियन डॉलर के करीब है। यह इंडस्ट्री आने वाले सात वर्षों में भारतीय बाजार में ढाई हजार करोड़ तक पहुंचने का रिकॉर्ड बना सकती है। फैशन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने फैशन एंड डिजाइन प्रमोशन काउंसिल (एफडीपीसी) का गठन किया है। इस काउंसिल ने उभरते फैशन डिजाइनरों तथा स्कूल-कॉलेजों से पास हुए छात्रों के लिए 25 फीसदी आरक्षण का प्रावधान भी किया है। भारत में फैशन उद्योग लगातार विकसित हो रहा है तथा अंतरराष्ट्रीय फैशन के क्षेत्र में एक बड़ा उद्योग बन चुका है। इंडिया फैशन वीक और भारत के प्रमुख शहरों में फैशन डिजाइनरों द्वारा वार्षिक शो जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों से साफ हो गया है कि मिस वर्ल्ड, मिस यूनिवर्स व अन्य प्रतियोगिताओं में भारतीय सुंदरियां किसी से कम नहीं हैं।

कोर्स की रूपरेखा

महज बोर्ड पर किसी डिजाइन की स्केचिंग ही महत्त्वपूर्ण नहीं है, बल्कि छात्रों को इस इंडस्ट्री के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में विशेषज्ञता हासिल करनी होती है। यह एक प्रोफेशनल कोर्स है, जिसके अंतर्गत गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी, टेक्सटाइल साइंस, अपैरल कंस्ट्रक्शन मेथड, फैब्रिक डाइंग एवं प्रिंटिंग, कलर मिक्सिंग एवं.. ..कम्प्यूटर एडेड डिजाइन (सीएडी) आदि क्षेत्रों में से किसी एक का चयन करना होता है। फैशन डिजाइनिंग में कई सारे कोर्स जैसे एक्सेसरीज एवं ज्वैलरी डिजाइनिंग, मॉडलिंग, गारमेंट डिजाइनिंग, लेदर डिजाइनिंग, इंटीरियर डिजाइनिंग, टैक्सटाइल डिजाइनिंग, फुटवेयर डिजाइनिंग आदि को शामिल किया जाता है। इसके अलावा भी कई महत्त्वपूर्ण कोर्स इस इंडस्ट्री के लिए कारगर होते हैं, जैसे कि एमए, पीजी, बीए, अंडरग्रेजुएट डिप्लोमा, शॉर्ट टर्म लेवल आदि कोर्स।

फैशन जगत की शाखाएं

बात यदि फैशन इंडस्ट्री की शाखाओं की हो तो इसमें कई विकल्प निखर कर सामने आते हैं। छात्रों की अपनी रुचि के अनुसार क्षेत्रों का चयन करना होता है। कुछ शाखाएं नीचे दी गई हैं-

फैशन कम्युनिकेशन

जब भारी संख्या में घरेलू और विदेशी ब्रांड, कंपनियां और डिजाइनर भारतीय बाजार पर धावा बोल रहे हों तो इन सबके लिए अपनी विशिष्ट ब्रांड पहचान विकसित करना और बिक्री के लिए अधिकतम मात्र में उपलब्ध रहना अनिवार्य हो जाता है। यह बड़ा काम फैशन कम्युनिकेशन प्रोफेशनल्स आसान कर देते हैं।

फैशन स्टाइलिंग

भारत में फैशन स्टाइलिंग भले ही एक नया कॉन्सेप्ट हो, लेकिन यह तेजी से आकर्षक करियर में तब्दील हो रहा है। सफल स्टाइलिस्ट बनने के लिए फैशन के हर पहलुओं पर नजर, टीम में काम करने की क्षमता होनी जरूरी है। इसके कोर्स में मेकअप, हेयर स्टाइलिंग, फोटोग्राफी, कम्प्यूटर एवं आईटी एप्लीकेशंस की जानकारी विकसित करने के लिए टूल्स, टेक्नीक्स और स्किल्स सिखाये जाते हैं।

फैशन फोटोग्राफी

फैशन जर्नलिस्ट का दूसरा काम फोटोग्राफी से संबंधित होता है। अभिलाषा और कल्पना की उड़ान के धागों से बने कपड़ों की तस्वीरों को जर्नलिस्ट अपने पाठकों के लिए कुछ इस प्रकार से मढ़ता है कि पाठक उससे खुद को आसानी से जोड़ सकें।

फैशन जर्नलिज्म

योग्य और प्रतिभाशाली युवाओं के लिए फैशन जर्नलिज्म में रोजगार के लिए बेहतरीन ऑप्शंस हैं, क्योंकि फैशन इंडस्ट्री में एक्सक्लूसिव राइटिंग और टीवी प्रोग्राम बनाने के लिए बहुत अवसर हैं। फैशन जर्नलिस्ट फुलटाइम या फीलांस के रूप में काम करते हैं।

विदेश में चाहिए नौकरी तो रिज्यूमे बनाते समय इन बातों का रखें ख्याल

अगर आपका भी सपना विदेश में नौकरी करने का हैं तो आपको रिज्यूमे बनाते समय कुछ खास चीजों का ध्यान रखना होगा।

विदेश में नौकरी करना सभी का सपना होता है। कई लोग सालों तक विदेश में नौकरी करने के लिए इंटरव्यू देते हैं। हालांकि कई बार हमें इंटरव्यू के लिए भी कॉल नहीं आता है। विदेश में नौकरी चाहिए तो आपको अपने रिज्यूमे पर खास ध्यान देना चाहिए। अगर आपका रिज्यूमे सही तरीके से बना होगा तो आपको नौकरी के लिए तुरंत कॉल आ सकता है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि आपको रिज्यूमे बनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

वर्क एक्सपीरियंस

वर्क एक्सपीरियंस आपको सही तरीके से लिखना है। आपने किस कंपनी में क्या- क्या काम किया है और क्या कुछ नया सीखा है। इसे आपको विस्तार से लिखना होगा। किसी भी कंपनी से आपको तभी कॉल आएगा जब आपका रिज्यूमे उन्हें पसंद आएगा। ऐसे में आपको अपने वर्क एक्सपीरियंस को अच्छे से लिखना चाहिए।

एजुकेशन

आपको अपने एजुकेशन के बारे में विस्तार से लिखना होगा। तभी आपको कंपनी से इंटरव्यू के लिए कॉल आएगा। एजुकेशन- क्वालिफिकेशन के दौरान आपको यह भी लिखना होगा कि आपके कितने मार्क्स आए थे। कई कंपनियां मार्क्स भी देखती हैं।

स्किल्स पर ध्यान दें

आपको अपने स्किल्स के बारे में लिखना है। ध्यान रखें कि रिज्यूमे पर जो भी लिखा होता है आपसे उसी चीज को लेकर सवाल पूछे जाते हैं। ऐसे में आपको अपने स्किल्स को लेकर काफी ध्यान देना है। उन्ही चीजों के बारे में लिखें जो आपको आता है। अगर आपको नहीं आता होगा तो इंटरव्यू के दौरान आप सभी सवालों का जवाब नहीं दे पाएगे।

पर्सनल डिटेल जरूर लिखें

कंपनी आपको भारत से विदेश बुलाएगी तो आपका वह बैकग्राउंड जरूर चेक करेगी। ऐसे में आपको अपने रिज्यूमे में पर्सनल डिटेल जरूर ऐड करना चाहिए। आप अपने फैमिली डिटेल और अपना पूरा डिटेल जरूर लिखें।

एग्जाम स्ट्रेस को इस तरह करें दूर

परीक्षा के दिन बच्चों के लिए सबसे अधिक तनावपूर्ण होते हैं। बच्चे कितना भी चाहें, लेकिन फिर भी वह परीक्षा के स्ट्रेस को खुद से दूर नहीं रख पाते। कुछ बच्चों का तनाव इस हद तक बढ़ जाता है कि वह अपनी पढ़ाई में भी ध्यान केन्द्रित नहीं कर पाते। जिससे उनकी परीक्षाएं प्रभावित होती हैं। कई बार तो यह स्ट्रेस उनके मानसिक ही नहीं, शारीरिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। हालांकि अगर आप बच्चों को परीक्षा के दिनों में स्ट्रेस फ्री रखना चाहते हैं तो इन टिप्स को अपना सकते हैं-

सिर्फ पढ़ाई नहीं

परीक्षा के दिनों पर बच्चों के मन में तनाव का एक मुख्य कारण हरदम पढ़ाई की बात करना होता है। दरअसल, एक ओर बच्चे पहले ही पढ़ाई को लेकर चिंतित रहते हैं, वहीं दूसरी ओर घर का माहौल भी कुछ ऐसा होता है, जिससे बच्चे का तनवा बढ़ता जाता है। इसलिए यह जरूरी है कि आप बच्चे से हरदम पढ़ाई की ही बात ना करें, बल्कि उसके साथ थोड़ी देर टहलें या फिर खेलें। अन्य एक्टिविटी करने से बच्चे का मूड फ्रेश होता है, जिससे वह बेहतर तरीके से परफॉर्म करते हैं।

बनाएं स्टडी प्लॉन

अमूमन माता-पिता बच्चों से सिर्फ पढ़ाई की ही बात करते हैं, जिससे बच्चा परेशान हो जाता है। यकीनन इस समय बच्चों को अतिरिक्त पढ़ाई करने की जरूरत होती है, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आप एक स्टडी प्लॉन बनाएं। मसलन, बच्चा पूरे दिन में कितनी देर पढ़ाई करेगा और उसके कितनी देर का ब्रेक लेना है। एक बार में वह कितने पार्ट को कवर करेगा, इन सब की प्लानिंग पहले ही कर लें। इस तरह जब आप पहले से ही सारी प्लानिंग कर लेंगी तो इससे बच्चों का भी तनाव कम होगा।

खान-पान

परीक्षा के दिनों में बच्चों का खान-पान भी काफी अहम होता है। इस दौरान बच्चों को अतिरिक्त भूख लगती है। लेकिन आप बच्चों को हैवी या तला हुआ फूड खिलाने की जगह थोड़ी-थोड़ी देर में कुछ ना कुछ खाने को दें। साथ ही लिथिड की मात्रा अधिक रखें और उसे हेल्दी स्नैक्स जैसे रोस्टेड बादाम या मखाना आदि दें। यह बच्चे को लंबे समय तक फुल रखेंगे और उनका एनर्जी लेवल बनाए रखेंगे। इतना ही नहीं, उनका संतुलित खान-पान बच्चों के तनाव को दूर करता है।

करें रिलैक्स

अगर बच्चा पढ़ाई को लेकर अतिरिक्त तनाव में है तो आप उनके साथ मिलकर कुछ रिलैक्सेशन एक्टिविटी कर सकते हैं। जैसे डीप ब्रीदिंग, मेडिटेशन, करें। इसके अलावा आप कुछ देर उन्हें जो पसंद हो, वह जरूर करने दें। भले ही वह म्यूजिक सुनना हो या फिर कोई गेम खेलना। दरअसल, इस तरह की एक्टिविटी बच्चे के लिए स्ट्रेस बस्टर की तरह काम करती है।

परीक्षा के दिनों पर बच्चों के मन में तनाव का एक मुख्य कारण हरदम पढ़ाई की बात करना होता है। दरअसल, एक ओर बच्चे पहले ही पढ़ाई को लेकर चिंतित रहते हैं, वहीं दूसरी ओर घर का माहौल भी कुछ ऐसा होता है, जिससे बच्चे का तनाव बढ़ता जाता है।

अगर आप भी ड्रोन पायलट में अपना करियर बनाने के बारे में सोच रहे हैं...

अगर आप ड्रोन पायलट में अपना करियर बनाने के बारे में सोच रहे हैं, तो जानिए कि इसके लिए आपके पास क्या-क्या योग्यताएं होनी चाहिए।

आधुनिक दौर में आज हर एक काम टेक्नोलॉजी से कंटेक्ट हो चुका है। एक समय हुआ जब ड्रोन को हम सभी केवल टेलीविजन और इक्का दुक्का जगहों पर देखने को मिलता था। लेकिन आज अधिकतर फोटोग्राफर, वीडियोग्राफर, इंफ्लूयसर, आदि के पास देखने को मिल जाता है। पहले एक समय हुआ करता था जब ड्रोन को उड़ाने वाले लोगों के पास ट्रेनिंग होती थी। लेकिन समय के बदलते दौर के साथ सिक्योरिटी से लेकर मीडिया इंडस्ट्री हर जगह ड्रोन का इस्तेमाल हो रहा है। शादी-विवाह से लेकर फिल्म शूटिंग हर जगह पर ड्रोन का इस्तेमाल हो रहा है। अगर आप भी इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं तो जानिए कैसे आप इस फील्ड के लिए तैयार हो सकते हैं।

ड्रोन पायलट बनने की योग्यता

ड्रोन का इस्तेमाल कामर्शियल फील्ड और रीक्रिएशनल फील्ड दोनों में किया जा रहा है। ड्रोन पायलट बनने के लिए 12 वीं पास होना जरूरी है। ड्रोन उड़ाने के लिए आपको प्रोफेशनल ट्रेनिंग लेने की जरूरत होती है। आपको यह जानना भी जरूरी है कि ड्रोन पायलट बनने के लिए योग्यता अलग-अलग संस्थान के हिसाब से भी निर्धारित होती है।

कैसे बन सकते हैं ड्रोन पायलट

ड्रोन पायलट बनने वाले कैंडिडेट को डीजीसीए द्वारा रिकग्नाइज इंस्टीट्यूट से ट्रेनिंग लेनी होती है। इसके लिए आपको मेडिकल एग्जामिनेशन भी क्लियर करना होता है।

लाइसेंस लेने के लिए करना होता एग्जाम क्लियर

लाइसेंस पाने के लिए पहले ट्रेनिंग लेनी होती है इसके बाद आपको लिखित परीक्षा क्लियर करनी होती है। आपको बता दें कि इसके लिए डीजीसीए लाइसेंस (कोचिंग गाइडलाइन) देता है। अगर बात करें फीस के बारे में तो इंस्टीट्यूट के हिसाब से यह 30 हजार से लेकर 1 लाख तक हो सकती है।

सरकार द्वारा लांच की गई वेब साइट

कुछ समय पहले इंडियन गवर्नमेंट की तरफ से वेबसाइट लॉन्च की है। इस साइट पर जाकर आप ड्रोन पायलट करियर से जुड़ी सारी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

राम सेतु से टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी टूर लॉन्चः पैरामोटर से ब्रिज के ऊपर घुमाया गया

टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से

नई दिल्ली, एजेंसी। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी टूर की शुरुआत राम सेतु के ऊपर की गई। इस मौके पर दो-सीटर पैरामोटर के जरिए ट्रॉफी को आसमान में ले जाया गया, जिसने इस लॉन्च को ऐतिहासिक और यादगार बना

दिया। भारत में एडम्स ब्रिज को राम सेतु के नाम से जाना जाता है। यह स्थल धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से अहम होने के साथ-साथ टूर्नामेंट के दो मेजबान देशों भारत और श्रीलंका को जोड़ता भी है। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में 20 टीमें हिस्सा लेंगी और मुकाबले 29 दिनों तक खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से होगी और मैच भारत व श्रीलंका के कुल 8 वेन्यू पर आयोजित किए जाएंगे। टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी एशिया के ओमान, नेपाल जैसी देशों का भी दौरा करेगी।

राम सेतु ब्रिज ही क्यों चुना गया

राम सेतु भारत और श्रीलंका के बीच स्थित है। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 को भारत और श्रीलंका ही होस्ट कर रहे हैं, इसलिए यह स्थान दोनों देशों को जोड़ने वाले सेतु के रूप में टूर्नामेंट की भावना को साफ तौर पर दर्शाता है। आईसीसी ने इस ट्रॉफी टूर को सिर्फ एक प्रचार अभियान नहीं, बल्कि दुनिया भर के फैंस को जोड़ने वाली यात्रा बताया है। राम सेतु का अर्थ ही जोड़ना है, और यही संदेश क्रिकेट के जरिए देशों और लोगों को काउंसिल देना चाहता है।

आरआर के लिए खेलना घर जैसा महसूस होगा

जोधपुर के रवि बिश्नोई 7.2 करोड़ में रॉयल्स से जुड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने एक शानदार होमकमिंग पूरी करते हुए भारतीय लेग-स्पिनर और राजस्थान के मूल निवासी रवि बिश्नोई को ?7.2 करोड़ में अपनी टीम में शामिल किया। जोधपुर से ताल्लुक रखने वाले बिश्नोई रॉयल्स के गेंदबाजी आक्रमण में साबित हो चुकी गुणवत्ता और नई ऊर्जा जोड़ते हैं।

राजस्थान रॉयल्स से जुड़ने पर रवि बिश्नोई ने कहा,'राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलना घर पर खेलने जैसा महसूस होगा। मैंने अपने क्रिकेट सफर की शुरुआत यहीं क्रक्रमें की थी, और अब अपने राज्य के नाम वाली टीम का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' आरआर के लीड ओनर मनोज बदाले ने कहा, 'रवि एक खास प्रतिभा हैं और हमारे फैंस लंबे समय से उन्हें रॉयल्स के रंग में देखने के इच्छुक थे। फ्रेंचाइज़ी में उनकी वापसी एक सच्ची होमकमिंग जैसी है, खासकर यह जानते हुए कि उन्होंने अपने सफर की शुरुआत यहीं से की थी। वह एक बेहद कुशल गेंदबाज, शानदार फील्डर और उस भूख व जज़्बे का प्रतीक हैं जिसे हम इस फ्रेंचाइज़ी में महत्व देते हैं।

ग्लोबल चैस लीगः

गुरु आनंद ने शिष्य को हराया

गंगा ग्रैंड मास्टर्स की लगातार दूसरी जीत

मुंबई, एजेंसी। ग्लोबल चेस लीग के तीसरे दिन पर रोमांच अपने चरम पर रहा, जब प्रोडिजी बोर्ड पर आख़िरी क्षणों में मिली जीत के दम पर फायर्स अमेरिकन गैम्बिट्स ने मौजूदा चैंपियन ट्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स के खिलाफ़ शानदार वापसी करते हुए 10-8 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

यह टूर्नामेंट टेक महिंद्रा और फ़ीडे की संयुक्त पहल है। इससे पहले दिन के पहले मुकाबले में गंगा ग्रैंडमास्टर्स ने पीबीजी अलास्कन नाइट्स को 12-3 से हराकर अपनी मजबूत लय बरकरार रखी। खैर दिन का आकर्षण रहा गंगा ग्रैंडमास्टर्स और पीबीजी अलास्कन नाइट्स के बीच मुकाबले में दिग्गज पाँच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद और युवा सितारे वर्तमान विश्व चैंपियन गुकेश डी. के बीच आइकन बोर्ड की टक्कर। अन्य बोर्डों पर भी दिलचस्प मुक़ाबले देखने को मिले, जहां अर्जुन एरिगैसी का सामना विंसेंट कीमर से हुआ, वहीं वर्ल्ड कप चैंपियन जावोखिर सिंदारोव ने लीनियर डोमिंगेज़ के खिलाफ़ अहम जीत दर्ज की। डेनियल डार्डा और रौनक साधवानी के बीच ड्रॉ के बाद सिंदारोव की जीत ने ग्रैंडमास्टर्स को शुरुआती बढ़त दिलाई।लेकिन सबसे बड़ी जीत दर्ज की विश्वनाथन आनंद नें जिन्होंने सफेद मोहरो से गुकेश के ख़िलाफ़ अपने हाथी को क़ुर्बान करते हुए अपने दो प्यादों के दम पर सबसे बेहतरीन जीत दर्ज की । इस जीत के साथ गंगा ग्रैंड मास्टर्स अब शीर्ष 3 टीमों में शामिल हो गई है । मैच के बाद प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए आनंद ने कहा, 'गुकेश के खिलाफ़ खेलना अच्छा लगा, वह बेहद लड़ाकू खिलाड़ी है। लेकिन सच कहूं तो मैं किसी के भी खिलाफ़ यह अंक लेना चाहता था। इस सीज़न का मेरा पहला पॉइंट मेरे लिए बहुत मायने रखता है। वहीं दिन के तीसरे मुक़ाबले में एक बेहद करीबी मुक़ाबले में सब तक सबसे आगे चल रही मुम्बा मास्टर्स को जिन्हें अल्पाइन एसजी पाइपर्स के हाथों एक करीबी हार का सामना करना पड़ा ।

आईपीएल 2026 ऑक्शन

सरफराज खान की 5 साल बाद आईपीएल में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सरफराज खान की पांच साल बाद वापसी हुई। आईपीएल 2026 के लिए मेगा ऑक्शन में चेन्नई सुपर किंग्स ने सरफराज खान को उनके बेस प्राइस यानी 75 लाख रुपये में खरीदा। सरफराज खान ने आईपीएल में अपना आखिरी मैच 2021 में खेला था। सरफराज खान ने आईपीएल में अब तक 40 मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 23.21 के औसत और 138.24 के स्ट्राइक रेट से 441 रन बनाए हैं। सरफराज खान का आईपीएल में सर्वोच्च स्कोर 67 रन है, जो इंडियन प्रीमियर लीग में उनका एकमात्र अर्धशतक भी है। आईपीएल 2021 में सरफराज खान को दिल्ली कैपिटल्स की ओर से दो मैच खेलने को मिले थे। हालांकि, वह दोनों ही मुकाबलों में एक भी रन नहीं बना पाए थे। वह कुल चार गेंदें ही खेल पाए थे। सरफराज खान का आईपीएल में सबसे अच्छा प्रदर्शन साल 2019 में रहा था। तब उन्होंने 45.00 के औसत और 125.87 के स्ट्राइक रेट से 8 मैच में 180 रन बनाए थे। सरफराज ने आईपीएल में पहली बार 2015 के संस्करण में खेला था। उस सीजन उन्होंने 13 मैच में 27.75 के औसत और 156.33 के स्ट्राइक रेट से 111 रन बनाए थे। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 45 रन था।

टी20 विश्व कप 2026ः

42 साल के वेन मैडसेन करेंगे इटली की कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी। इटैलियन क्रिकेट फेडरेशन ने कहा है कि भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 में वेन मैडसेन टीम के कप्तान होंगे। यह पहला मौका है जब इटली टी20 विश्व कप का हिस्सा बन रही है। इटैलियन क्रिकेट फेडरेशन ने एक बयान में कहा कि वेन मैडसेन को विश्व कप में इटली की कप्तानी का सबसे पसंदीदा उम्मीदवार माना गया है।

वेन मैडसेन अगले साल 2 जनवरी को 42 साल के हो जाएंगे। मैडसेन ने इटली के लिए अब तक 4 टी20 मैच खेले हैं जिसमें 1 अर्धशतक की मदद से 95 रन बनाए हैं। हालांकि इटली ने टी20 विश्व कप 2026 में क्वालिफिकेशन बर्न्स की कप्तानी में हासिल की है।

बर्न्स ने जुलाई 2025 में नीदरलैंड्स में क्वालिफाइंग कैंपेन के दौरान नेशनल टीम की कप्तानी की थी। उन्हीं की कप्तानी में इटली ने टी20 विश्व कप में ऐतिहासिक रूप

से अपनी जगह बनाई। फेडरेशन ने जो बर्न्स को इटैलियन क्रिकेट में एक खिलाड़ी और कप्तान के रूप में उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया है। इटली अपना टी20 विश्व कप कैंपेन 9 फरवरी को कोलकाता में बांग्लादेश के खिलाफ शुरू करेगी, टीम को ग्रुप सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और नेपाल के खिलाफ खेलना है। इटली आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगा। ये सीरीज विश्व कप से पहले होगी। सीरीज इटली के लिए ऐतिहासिक है।

आईसीसी के पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ उसकी यह पहली तीन मैचों की द्विपक्षीय सीरीज है। सभी मैच 23 जनवरी से दुबई के सेवेंस स्टेडियम में खेले जाएंगे। सीरीज दोनों टीमों को इस बड़े इवेंट से पहले अपनी टीम को बेहतर बनाने का एक कीमती मौका भी देती है। इटैलियन टीम ने अभी तक अगले साल होने वाले टूर्नामेंट के लिए अपनी प्लेयर लिस्ट जमा नहीं की है।

महिला विश्व कप में 14 विकेट लिए थे

आंध्र प्रदेश सरकार ने श्री चरणी को दिया 2.5 करोड़ का नकद पुरस्कार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 2 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला वनडे विश्व कप जीता था। विश्व विजेता भारतीय महिला टीम की सदस्य श्री चरणी को बुधवार को आंध्र प्रदेश की सरकार ने सम्मानित किया। आंध्र प्रदेश सरकार के शिक्षा और आईटी मंत्री नारा लोकेश ने श्री चरणी से उनके उंडावल्ली स्थित घर पर मुलाकात की और उन्हें सरकार की तरफ से 2.5 करोड़ रुपये का चेक सौंपा। कैश इनाम के अलावा, सरकार ने उन्हें विशाखापत्तनम में 500 स्क्वायर यार्ड का एक आवासीय प्लॉट भी दिया है।

उनकी डिग्री पूरी होने के बाद आंध्र प्रदेश सरकार ने नौकरी का भी भरोसा दिया है। इससे संबंधित आदेश जारी किए गए हैं। सरकार की तरफ से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह कदम राज्य सरकार के खेल में बेहतरीन प्रदर्शन को बढ़ावा देने और आंध्र प्रदेश की युवा महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ खेलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करने की प्रतिबद्धता को दिखाता है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने विश्व कप के बाद श्री चरणी से मुलाकात के समय उनके लिए पुरस्कारों की घोषणा की थी। कार्यक्रम में परिवहन और खेल मंत्री मंडीपल्ली रामप्रसाद रेड्डी, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष अनिमिनी रविनायुडू, स्पेशल चीफ सेक्रेटरी (खेल) अजय जैन और दूसरे सीनियर अधिकारी उपस्थित रहे। कडप्पा जिले की रहने वाली श्री चरणी ने भारतीय टीम को महिला विश्व कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

बाएं हाथ की इस स्पिनर ने 9 मैचों में 14 विकेट लिए थे और टूर्नामेंट की चौथी सफल गेंदबाज रही थीं। 21 साल की चरणी ने अप्रैल 2025 में भारतीय टीम के लिए डेब्यू किया था। उनके प्रभावशाली प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें विश्व कप में मौका दिया गया और उन्होंने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से टीम मैनेजमेंट के फैसले को साबित किया। कुल 18 वनडे में 23 और 5 टी20 में 10 विकेट ले चुकी चरणी भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बड़ी स्टार के रूप में उभरी हैं।

आर श्रीधर को मिली बड़ी जिम्मेदारी, टी20 विश्व कप के लिए श्रीलंका के फील्डिंग कोच नियुक्त

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका क्रिकेट ने अगले साल होने वाले पुरुष टी-20 विश्वकप तक के लिए आर श्रीधर को राष्ट्रीय टीम का क्षेत्ररक्षक कोच नियुक्त किया है। लेवल 3 क्वालिफाइड कोच श्रीधर ने पहले 2014 से 2021 तक भारत की पुरुष टीम के क्षेत्ररक्षक कोच के रूप में काम किया है। हाल ही में उन्होंने अफगानिस्तान टीम के साथ कंसल्टेंट कोच के तौर पर काम किया। अब वह श्रीलंका के फील्डिंग स्टैंडर्ड को बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे। वह पाकिस्तान और इंग्लैंड के आगामी दौरों पर टीम के साथ मिलकर काम करेंगे और फिर टी-20 विश्व कप की तैयारियों की देखरेख करेंगे। श्रीलंका क्रिकेट के अनुसार श्रीधर ने कहा, 'श्रीलंकाई खिलाड़ी हमेशा सहज प्रतिभा, लचीलेपन और सामूहिक भावना के लिए जाने जाते हैं। मेरा काम कोई सिस्टम थोपना नहीं है, बल्कि ऐसा माहौल बनाना है जहां खिलाड़ी क्षमता, जागरूकता और मैदान पर गर्व स्वाभाविक रूप से बढ़ सके।'

एडिलेड टेस्टः

एलेक्स कैरी का शतक, पहले दिन ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट पर 326 रन बनाए

एडिलेड , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट की शुरुआत एडिलेड में बुधवार को हुई। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। एलेक्स कैरी के शतक और उस्मान ख्वाजा के बेहतरीन अर्धशतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन की समाप्ति के समय 8 विकेट के नुकसान पर 326 रन बना लिए थे। मिचेल स्टार्क 33 और नाथन लियोन शून्य पर नाबाद हैं। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 33 के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों, ट्रेविस हेड और जैक वेदरलैंड, का विकेट खो दिया था। इसके बाद मार्नस लाबुशेन और कैमरन ग्रीन बैक टू बैक आउट हो गए। 94 रन पर 4 विकेट गंवाकर ऑस्ट्रेलिया मुश्किल में थी। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए उस्मान ख्वाजा और छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने ऑस्ट्रेलियाई पारी को संभाला और पांचवें विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी की। ख्वाजा अपना शतक चूक गए और 126 गेंद पर 82 रन की पारी खेलकर आउट हुए। कैरी क्रीज पर जमे रहे, और ऑस्ट्रेलियाई पारी को आगे बढ़ाने के साथ ही उन्होंने अपना पहला एशेज शतक पूरा किया। कैरी 143 गेंद पर 1 छक्का और 8 चौकों की मदद से 106 रन बनाकर आउट हुए। कैरी दिन के आखिरी यानी आठवें विकेट के रूप में आउट हुए। इस बीच छठे विकेट के लिए जोश इंग्लिस के साथ उन्होंने 59 और आठवें विकेट के लिए मिचेल स्टार्क के साथ 50 रन की अहम साझेदारी की। स्टार्क 63 गेंद पर 33 रन बनाकर नाबाद हैं।

इससे पहले स्टीव स्मिथ की जगह ऑस्ट्रेलियाई प्लेइंग इलेवन में उस्मान ख्वाजा को जगह दी गई। स्मिथ टेस्ट शुरू होने से कुछ मिनट पहले ही अस्वस्थ होने की वजह से बाहर हो गए।

यशस्वी जायसवाल राजस्थान के खिलाफ मैच के बाद अस्पताल में हुए भर्ती

पुणे, एजेंसी। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान मंगलवार को राजस्थान के खिलाफ हुए मैच के बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। यशस्वी जायसवाल को पेट में तेज ऐंठन होने के बाद आदित्य बिड़ला हॉस्पिटल में भर्ती कराना पड़ा।

जायसवाल को डॉक्टरों ने आराम करने की सलाह दी है। रिपोर्ट के मुताबिक यशस्वी जायसवाल को पूरे मैच के दौरान पेट में ऐंठन हो रही थी और मैच के बाद उनकी हालत और खराब हो गई। अस्पताल में उनका अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन हुआ। इसके बाद चिकित्सकों को उनकी परेशानी का पता चला। फिलहाल उनकी स्थिति ठीक है और उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है। बीसीसीआई ने अभी तक उनकी हालत पर कोई ऑफिशियल अपडेट जारी नहीं किया है, हालांकि आने वाले दिनों में और क्लैरिटी मिलने की उम्मीद है। यशस्वी जायसवाल भारतीय टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं और इसी वजह से सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट में मुंबई की तरफ से खेल रहे हैं। हरियाणा के खिलाफ जायसवाल ने तूफानी शतक

जायसवाल को डॉक्टर्सों ने आराम करने की सलाह दी

लगाते हुए न सिर्फ अपनी टीम को जीत दिलायी थी, बल्कि भारतीय टी20 टीम में बतौर ओपनर अपना दावा ठोका था। हरियाणा के खिलाफ पारी की शुरुआत करने उतरे यशस्वी जायसवाल ने 50 गेंद पर 16 चौके और 1 छक्के की मदद से 101 रन की पारी खेली। इस दौरान 23 गेंद पर उन्होंने अर्धशतक और 48 गेंद पर शतक लगाया था। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान शुभमन गिल टीम में अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत कर रहे हैं। गिल बतौर ओपनर टी20 में अपनी भूमिका के साथ न्याय नहीं कर पाए हैं और लगातार असफल रहे हैं। गिल को बतौर ओपनर टीम में जगह जायसवाल और संजू सैमसन जैसे बल्लेबाजों को ड्रॉप करके दी गई है। ऐसे में जायसवाल के शतक ने गिल के लिए मुश्किल बढ़ा दी है। जायसवाल ने भारतीय टीम के लिए 23 टी20 मैचों की 22 पारियों में 1 शतक और 5 अर्धशतक की मदद से 723 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 164.32 है।

न्यूज डायरी

वित आयुक्त ने एग्रीस्टैक ट्रेनिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम को किया संबोधित

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। वित आयुक्त श्रीमती सुमिता मिश्रा ने लघु सचिवालय के सभागार में राजस्व व कृषि विभाग के अधिकारियों की एग्रीस्टैक ट्रेनिंग प्रोग्राम को संबोधित किया। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित किया और उन्हें विस्तार से इसके बारे में जानकारी दी।

एग्रीस्टैक ट्रेनिंग प्रोग्राम में उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा भी उपस्थित थे। उपायुक्त ने भी सभी अधिकारियों को विस्तार से ट्रेनिंग प्रशिक्षण के बारे में बताया।

उपायुक्त ने वित आयुक्त को बताया कि जिला की सभी तहसीलों में किसानों के पंजीकरण के कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इसके अलावा जिला राजस्व अधिकारी व कृषि विभाग के डीडीए को नोडल अधिकारी की सहायता के लिए नियुक्त किया है।

श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि कार्य को पूरा करने के लिए दस टीमें बना दी गई हैं। इन टीमों को किसानों का पंजीकरण सफलतापूर्वक करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया है। 18 दिसंबर से ये टीमें जिले की सभी तहसीलों में किसानों के रजिस्टेशन का कार्य शुरू करेगी।

उपायुक्त ने बताया कि भारत सरकार की मंशा है कि किसानों के लिए सेवाओं, सब्सिडी, क्रेडिट, बाजार तक पहुँच को आसान बनाने के लिए एक डिजिटल, केंद्रीकृत कृषि डेटा प्लेटफॉर्म बनाया है। पंजीकृत किसानों के लिए सेवाओं को इंटीग्रेट करने और लाभों की कुशल डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षित एपीआई बनाया है। उन्होंने बताया कि आज राजस्व व कृषि विभाग के 82 अधिकारियों व कर्मचारियों ने प्रशिक्षण लिया है। 18 दिसंबर से ये सभी अधिकारी तहसीलों में कैंप लगाकर पंजीकरण का कार्य शुरू कर देंगे।

इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव, एसडीएम संयम गर्ग, एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, जिला राजस्व अधिकारी डॉ कुलदीप सिंह, कृषि विभाग के डीडीए रविंद्र हुडा, कृषि विभाग के एडीए जितेंद्र कुमार, तहसीलदार सुरेश कुमार, रायपुररानी के तहसीलदार विक्रम सिंगला, कालका के तहसीलदार विवेक गोयल, नायब तहसीलदार पंचकूला हरदेव सिंह, सहायक तकनीकी प्रबंधक मंजु गौड, अंकित वर्मा सहित अन्य राजस्व व कृषि विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

पंचकूला के पार्कों में बनेगी क्रिकेट प्रतिभाओं की नर्सरी, सेक्टर-6 से ड्यूल क्रिकेट प्रैक्टिस पिच कार्य शुरू

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। शहर में खेल-कूद को बढ़ावा देने की दिशा में नगर निगम पंचकूला द्वारा एक और महत्वपूर्ण पहल की गई है। पार्कों में ड्यूल क्रिकेट प्रैक्टिस पिच बनाए जाने के कार्य की आज औपचारिक शुरुआत सेक्टर-6 से की गई। इस परियोजना का उद्घाटन महापौर कुलभूषण गोयल ने किया।

इस अवसर पर पार्षद सुरेश वर्मा, नरिंदर लुबाना, जय कौशिक, सोनिया सूद के अलावा वरिष्ठ नेता सुखवीर पूनिया, उमेश सूद, प्रमोद वत्स, परमिंदर सिंगला, संदीप सिंगला, आशीष रामपॉल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी और नगर निगम के अधिकारी भी मौजूद रहे।

गौरतलब है कि हाल ही में महापौर कुलभूषण गोयल की अध्यक्षता में हुई नगर निगम की बैठक में शहर के पार्कों में ड्यूल प्रैक्टिस क्रिकेट कोर्ट बनाए जाने की औपचारिक स्वीकृति दी गई थी। यह कार्य वार्ड नंबर 1 से 5 तथा 8 से 13 तक के विभिन्न पार्कों में किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए नगर निगम द्वारा कुल 74.95 लाख का बजट स्वीकृत किया गया है। महापौर ने बताया कि पंचकूला में कुल 13 स्थानों पर क्रिकेट प्रैक्टिस पिच बनाई जाएंगी और प्रत्येक वार्ड में एक पिच विकसित की जाएगी। प्रत्येक पिच पर लगभग 7 लाख रुपये की लागत आएगी। यह पिच 24 फुट चौड़ी और 66 फुट लंबी होगी, जिसका निर्माण कोटा स्टोन से किया जाएगा। खिलाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पिच पर दो से तीन नेट लगाए जाएंगे। इसके साथ ही पिच पर छत का निर्माण किया जाएगा और छत के चारों ओर भी नेट लगाए जाएंगे, ताकि अभ्यास के दौरान गेंद बाहर न जाए।

महापौर कुलभूषण गोयल ने कहा कि इस योजना से अब पंचकूला के पार्क केवल सैर-सपाटे तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि बच्चों और युवाओं के लिए खेल अभ्यास के केंद्र के रूप में विकसित होंगे। पार्षदों व स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे पंचकूला के खेल भविष्य के लिए मील का पत्थर बताया।

मातृशक्ति उद्यमिता योजना: महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु 5 लाख रुपये तक का बैंक ऋण

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार द्वारा मातृशक्ति उधमिता योजना के तहत हरियाणा महिला विकास निगम के द्वारा ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए बैकों के माध्यम से 5 लाख रुपये तक के ऋण दिलवाने की योजना लागू की गई है। जिसके लिए जिला पंचकूला के लिये 40 केसों का लक्ष्य रखा गया है।

- 18 से 60 वर्ष की महिला होंगी स्कीम की पात्र

इस संबंध में जानकारी देते हुए महिला विकास निगम की जिला प्रबंधक श्रीमती कमलेश कुमारी ने बताया कि योजना के अंतर्गत जिन महिलाओं की पारिवारिक वार्षिक आय 5 लाख रुपये से कम है, जो केवल हरियाणा की निवासी महिला उद्यमी हैं तथा ऋण के लिए आवेदन के समय जिनकी आयु 18 से 60 वर्ष के बीच है, वे इस योजना की पात्र होंगी।

उन्होने बताया कि आवेदक पहले से लिए गए ऋण का डिफाल्टर नही होना चाहिए। योजना के तहत समय पर किश्त का भुगतान करने पर 3 वर्षों तक 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान राशि हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा दी जायेगी।

उन्होने बताया कि योजना के तहत डेयरिंग, उद्योग विभाग की सूची में शामिल नकारात्मक गतिविधियों तथा केवीआईबी को छोड़कर अन्य सभी गतिविधियां शामिल हैं। इन गतिविधियों में यातायात वाहन के तहत ऑटो रिक्शा, छोटा सामान ढोने के वाहन, श्री-व्हीलर, ई0रिक्शा, टैक्सी, सामाजिक व व्यक्तिगत सेवा गतिविधियों के तहत सैलून, ब्यूटी पार्लर , टेलरिंग , बुटिक , फोटो कॉपी की दुकान, पापड़ बनाना , आचार बनाना , हलवाई की दुकान फूड स्टॉल , आईसक्रीम बनाने की युनिट , बिस्कुट बनाना, हैण्डलूम , बैग बनाना , कैटींग सर्विस इत्यादी का अपना काम शुरू कर सकती है।

उन्होने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए निर्धारित दस्तावेज आवेदन के साथ जमा करवाने होंगें। इन दस्तावेजों मे आवेदन पत्र राशन कार्ड/परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, दो पासपोर्ट आकार फोटो, रिहायशी प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिर्पोट, ट्रेनिंग सर्टिफिकेट/अनुभव प्रमाण पत्र शामिल हैं। अधिक जानकारी के लिये निगम के कार्यालय जिला प्रबंधक, हरियाणा महिला विकास निगम, कमरा न0 52, तीसरी मंजिल, नई बिल्डिंग, मिनी सचिवालय, सैक्टर-1, पंचकूला, दूरभाष न0 0172-2585271 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

एफसीआर डॉ सुमिता मिश्रा ने पंचकूला तहसील कार्यालय का किया दौरा

- डॉ. मिश्रा ने नई पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली के कामकाज की समीक्षा की
- हरियाणा में पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए सुरक्षा युक्त कागज और स्वतः परिवर्तन की है सुविधा

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा की राजस्व और आपदा प्रबंधन वित्त आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि प्रदेश की कागज रहित पंजीकरण प्रणाली के माध्यम से लगभग 50,000 संपत्ति पंजीकरण सफलतापूर्वक पूरे किए गए हैं, जो छह दशक पुरानी राजस्व प्रक्रियाओं में ऐतिहासिक परिवर्तन का प्रतीक बन रही है।

पंचकूला तहसील कार्यालय के औचक निरीक्षण के दौरान डॉ. मिश्रा ने कहा कि भूमि अभिलेखों में पारदर्शिता और प्रामाणिकता को और मजबूत करने के लिए संपत्ति पंजीकरण हेतु जल्द ही सुरक्षा-युक्त कागज का प्रयोग शुरू किया जाएगा। इसके अतिरिक्त आगामी दिनों में एक स्वचालित उत्परिवर्तन सुविधा शुरू की जाएगी, जो पंजीकरण के तुरंत बाद राजस्व अभिलेखों को स्वचालित रूप से अद्यतन कर देगी, जिससे देरी में काफी कमी आएगी और मैन्युअल हस्तक्षेप की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी।

इस अवसर पर उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा, अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव, जिला राजस्व अधिकारी डॉ. कुलदीप, तहसीलदार श्री सुरेश कुमार और नायब तहसीलदार श्री हरदेव भी उपस्थित थे।

डॉ. मिश्रा ने नई प्रणाली व राजस्व कार्यालय के कामकाज से संतुष्ट होकर, वित्त आयुक्त ने नई प्रणाली को सुचारू रूप से लागू करने में अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिया कि आवेदकों के अनुरोध पर उन्हें मौके पर ही ई-हस्ताक्षरित प्रतियां उपलब्ध कराई जाएं ताकि उन्हें बार-बार कार्यालय न आना पड़े।

उन्होंने कहा कि नागरिकों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं की जांच की जाएगी और प्रक्रिया को और बेहतर बनाने के लिए उन्हें शामिल किया जाएगा। जनभागीदारी को संस्थागत रूप देने के लिए उन्होंने कहा कि तहसील कार्यालयों में एक समर्पित हेल्प डेस्क स्थापित की गई है ताकि जनता की प्रतिक्रियाओं को व्यवस्थित रूप से दर्ज किया जा सके और शिकायतों का तुरंत समाधान किया जा सके।

उन्होंने प्रदेश के सभी उपायुक्तों को हेल्प डेस्क से संबंधित रिपोर्ट भेजने का भी निर्देश दिया।

एग्रीस्टैक प्रशिक्षण को मिल रही है गति

निरीक्षण के दौरान उन्होंने वित्त आयुक्त ने पंचकुला स्थित उपायुक्त कार्यालय में चल रहे एग्रीस्टैक प्रशिक्षण की समीक्षा भी की। उन्होंने प्रशिक्षण सत्र में भाग लेकर मॉड्यूल की समीक्षा की और प्रशिक्षार्थियों से बातचीत की। उन्हें बताया गया कि राज्य के सभी जिलों में इसी तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहे हैं।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि हरियाणा सरकार ओटीपी आधारित आधार प्रमाणीकरण प्रक्रिया के माध्यम से किसान रजिस्ट्री (एग्रीस्टैक) के तहत 1.38 करोड़ किसानों का पंजीकरण करने जा रही है, जो सीधे पीएम-किसान योजना और अन्य लाभार्थी योजनाओं से जुड़ी होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पंजीकरण लक्ष्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाना चाहिए।

सभी प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने का निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि एग्रीस्टैक का कार्य तेज गति से किया जाएगा, क्योंकि यह प्रौद्योगिकी-आधारित शासन और किसान-केंद्रित सेवाओं के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण घटक है। उन्होंने कहा कि 'एग्रीस्टैक का उचित कार्यान्वयन सटीक डेटा, कुशल सेवा वितरण और बेहतर नीति नियोजन सुनिश्चित करके किसानों को अत्यधिक लाभ पहुंचाएगा।'

वितायुक्त ने कहा कि अचानक किए गए निरीक्षण और समीक्षा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि जमीनी स्तर पर किए गए सुधार नागरिकों के लिए वास्तविक लाभ में तब्दील हों, साथ ही पारदर्शी, कुशल और प्रौद्योगिकी-सक्षम प्रशासन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करना था।

रैग पिकर्स एवं सफाई कर्मियों के अधिकार और सुरक्षा पर आज पंचकूला में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। सफ़ाई कर्मियों और कचरा प्रबंधन से जुड़े कामगारों के अधिकरों के लिए कार्यरत "वेस्ट मैनेजर्स मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसायटी (वामको)" द्वारा रैग पिकर्स, सफाई कर्मियों, कचरा संग्रहण एवं प्रबंधन से जुड़े श्रमिकों के लिए आज राज्य स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

यह कार्यक्रम जिला प्रशासन एवं नगर निगम पंचकूला के सहयोग से ऑडिटोरियम, पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस, सेक्टर-1, पंचकूला में दोपहर 12:00 बजे से 4:00 बजे तक आयोजित होगा।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के सदस्य प्रियंक कानूनगो मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहेंगे। उनके साथ हरियाणा सरकार, स्वच्छ भारत मिशन (शहरी एवं ग्रामीण), नगर निकाय पंचकुला तथा जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं विशेषज्ञ भी उपस्थित रहेंगे।

वामको के चेयरपर्सन सुशील वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य कचरा प्रबंधन से जुड़े श्रमिकों को उनके मानव अधिकारों, कार्यस्थल सुरक्षा, सम्मानजनक जीवन, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं एवं सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना है।

इसके साथ ही सुरक्षित कचरा निपटान, स्रोत पर पृथक्करण (सेग्रीगेशन) तथा एमआरएफ केंद्रों की भूमिका पर भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान कचरा प्रबंधन से जुड़े कामगारों के लिए एक राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया जाएगा।

एसडीएम की अध्यक्षता में जिले के ग्राम सचिव, बीडीपीओ व डीडीपीओ के साथ लघु सचिवालय के सभागार में हुई

स्वदेशी महोत्सव में ग्रामीणों की भागेदारी सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। एसडीएम व स्वदेशी महोत्सव के नोडल अधिकारी श्री चंद्रकांत कटारिया की अध्यक्षता में जिले के ग्राम सचिव, बीडीपीओ व डीडीपीओ के साथ लघु सचिवालय के सभागार में बैठक हुई। उन्होने निर्देश दिए कि स्वदेशी मेला में ग्रामीण आंचल के लोग अपनी भोगेदारी सुनिश्चित करेंगे। उन्होने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि स्वदेशी मेला में ग्रामीण आंचल के लोगों की भागेदारी सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर हरियाणा टैकनिकल बोर्ड के सचिव राजीव गोयल भी उपस्थित थे।

श्री कटारिया ने बताया कि स्वदेशी मेला 19 दिसंबर से 28 दिसंबर तक सैक्टर-5 शालीमार ग्राउंड में आयोजित किया जाना है। इस स्वदेशी महोत्सव के पीछे सरकार का उदेश्य है कि घर-घर में अपने देश में बने उत्पाद पहुंचे ताकि हम सभी विदेशी वस्तुओं का प्रयोग करने की बजाय स्वदेशी वस्तुओं का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करें। इस अवसर पर श्री कटारिया ने ग्राम सचिवों से स्वदेशी महोत्सव के सफल आयोजन के लिए सुझाव भी मांगे और उन्हें अपने-अपने क्षेत्र के ग्रामीणों को स्वदेशी मेले के बारे में विस्तार से जानकारी देने के निर्देश दिए ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग मेले में भ्रमण कर सकें और गांव स्तर पर स्वदेशी वस्तुओं को बढावा दिया जा सके। उन्होने कहा कि सभी ग्राम सचिव स्वदेशी आईडिया पर कार्य करें व सैल्फ हेल्प गुरुप व ग्रामीणों को शामिल कर गांव स्तर पर स्वदेशी वस्तुओं के बारे में उन्हें जागरूक करें।

उन्होने बताया कि 19 दिसंबर को उदघाटन समारोह, 20 दिसंबर को हरियाणवी नृत्य प्रतियोगिता, 21 दिसंबर को स्वदेशी संकल्प महायज्ञ, 22 दिसंबर को विज्ञान से आत्मनिर्भरता, 23 दिसंबर को युवा महोत्सव, 24 दिसंबर को पंजाबी गिद्धा और समूहगान प्रतियोगिता, 25 दिंसबर को उडान, वार्षिक उत्सव, 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस, 27 दिसंबर को सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, फैशन शो, 28 दिसंबर को समरसता सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा मेले में बालीवुड व पंजाब के पॉप सिंगर अपने गीतों से जिलावासियों का मनोरंजन कर स्वदेशी महोत्सव का प्रचार करेंगे।

विभिन्न पार्कों में 10 आउटडोर पिकलबॉल कोर्ट के निर्माण के प्रस्ताव को स्वीकृति

एफएंडसीसी बैठक में विकास कार्यों को हरी झंडी, खेल सुविधाओं और स्वच्छता पर बड़ा फैसला

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। पंचकूला के महापौर कुलभूषण गोयल की अध्यक्षता में बुधवार को नगर निगम की वित्त एवं अनुबंध समिति (एफ एंड सीसी) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर के विभिन्न सेक्टरों में विकास कार्यों को गति देने के लिए कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन प्रस्तावों से खेल सुविधाओं के विस्तार, स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

बैठक में नगर निगम पंचकूला के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न पार्कों में 10 आउटडोर पिकलबॉल कोर्ट के निर्माण के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। ये कोर्ट सेक्टर 2, 4, 10, 11, 12, 12ए, 17, 18, 25 और 26 में बनाए जाएंगे। इस परियोजना पर कुल 106.33 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके साथ ही सेक्टर एमडीसी-4, सेक्टर 20, 21, 27 और सेक्टर 9 के सामुदायिक केंद्रों में 5 आउटडोर पैडल कोर्ट के निर्माण को भी मंजूरी दी गई, जिस पर 127.30 लाख रुपये की लागत आएगी।

स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन, सेग्रीगेशन और ट्रांसपोर्टेशन के कार्य की अवधि तीन महीने बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस पर 4 करोड़ 68 लाख रुपये खर्च होंगे। वहीं सेक्टर 6, वार्ड नंबर 2 स्थित मनसा देवी परिसर में अंदरूनी सड़कों और मार्केट पार्किंग की स्ट्रेंथनिंग के लिए 1 करोड़ 42 लाख रुपये स्वीकृत किए गए।

इसके नगर निगम पंचकूला के अधिकार क्षेत्र में ब्रिकेट मशीन हैमर मिल, फ्लैश ड्रायर, ट्रैक्टर-माउंटेड ग्रैब बकेट (ग्रैब बुल) मशीन एवं प्रदूषण नियंत्रण प्रणाली की आपूर्ति व स्थापना के लिए संशोधित प्रस्ताव के लिए 2 करोड़ 42 लाख रुपये की मंजूरी दी गई। शहर में किसी की भी मृत्यु के बाद उनकी अंतिम यात्रा सेवा के उद्देश्य से पांच फ्यूनरल वैन की खरीद के लिए भी 1 करोड़ 34 लाख रुपये स्वीकृत किए गए।

बैठक में पार्क डेवलपमेंट समितियों को बड़ी राहत दी गई। महापौर कुलभूषण गोयल ने निर्देश दिए कि पार्कों के कच्चे और पक्के दोनों क्षेत्रों की मेंटेनेंस राशि पूरी जारी की जाए।

अंबाला डाक विभाग द्वारा गांव मौली के सामुदायिक केंद्र में एक डाक चौपाल का आयोजन

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। अंबाला डाक विभाग द्वारा आज गांव मौली के सामुदायिक केंद्र में एक डाक चौपाल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डाक सेवा बोर्ड की सदस्य (वित्तीय सेवाएं) सुश्री मनीषा सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं।

डाक चौपाल का उद्देश्य डाक जीवन बीमा, ग्रामीण डाक जीवन बीमा, आवर्ती जमा, मासिक आय योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, सावधि जमा, राष्ट्रीय बचत योजना, किसान विकास पत्र, आधार संबंधी विभिन्न सेवाओं आदि जैसी विभागीय योजनाओं को जनता के बीच प्रचारित करना था। चौपाल में ही आम जनता को विभागीय योजनाओं का लाभ उठाने के लिए एक लाइव प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया गया था। चौपाल में आधार शिविर का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले डाक अधिकारियों को पुरस्कृत किया गया।

आम जनता ने सुबह 9:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक आयोजित इस चौपाल के माध्यम से विभिन्न विभागीय योजनाओं और आधार संबंधी सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर के दौरान रिकॉर्ड संख्या में खाते खोले गए, जिसमें 17300 बैंक योजनाओं के खाते एवं आईपीपीबी के खाते ,266 पीएलआई/आरपीएलआई खाते और 60 आधार से संबन्धित सेवाएँ।

आधार शिविर 18 दिसंबर को इसी स्थान पर जारी रहेगा। गांव और आसपास के गांवों के सभी स्थानीय निवासी शिविर में उपलब्ध आधार सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

द विंटर वंडरलैंड' थीम पर केक पिकनिक का आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रेस क्लब, सेक्टर 27, चंडीगढ़ में 'द विंटर वंडरलैंड' थीम पर एक शानदार केक पिकनिक का आयोजन किया गया, जिसमें ट्राई-सिटी के बेकिंग के शौकीन और निवासी एक साथ आए। यह इवेंट दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक चला और इसमें स्थानीय टैलेंट द्वारा बनाए गए 100-120 केक, डेज़र्ट और क्रिएटिव बेक्स की शानदार वैरायटी दिखाई गई। इस इवेंट को सृष्टि गर्ग, जसरीन कौर, हरजोत कौर अरोड़ा, अंशिका, निकिता, मानसी, टिम्मरप्रीत, हरत्रिमन, गुनीत, रचिता ने मिलकर आयोजित किया, जिनके कोऑर्डिनेशन और टीम वर्क ने पिकनिक को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस पिकनिक ने 200 से ज़्यादा होम बेकर्स और प्रोफेशनल पेस्ट्री आर्टिस्ट को अपना हुनर दिखाने, विज़िटर्स से बातचीत करने और आइडिया शेयर करने का मौका दिया। परिवारों, बच्चों और डेज़र्ट पसंद करने वालों ने पूरे उत्साह से हिस्सा लिया, जिससे दोपहर का समय कम्युनिटी बॉन्डिंग और पाक कला का एक जीवंत उत्सव बन गया। आयोजकों ने बताया कि इस इवेंट का मकसद इलाके में बढ़ रही बेकिंग कम्युनिटी को सपोर्ट और बढ़ावा देना था, साथ ही लोगों को अनोखे स्वाद और नए क्रिएशन्स का अनुभव करने का मौका देना था। इस इवेंट में पिल्सबरी, कैलेबाउट, पैकिंग पैकर्स, ओए मू और अन्य पार्टनर्स जैसे ब्रांड्स के बिज़नेस स्टॉल भी थे, जिन्होंने बेकिंग कम्युनिटी से जुड़े प्रोडक्ट्स दिखाए। आयोजकों ने इवेंट स्पॉन्सर फैब, पैकिंग पैकर्स, SDC और TWF फ्लॉर्स के सपोर्ट को स्वीकार किया, जिनके योगदान से पार्टिसिपेंट्स और अटेंडीज़ के अनुभव को बेहतर बनाने में मदद मिली।

ऐतिहासिक व पौराणिक मंदिर बाबा श्री पीर रतननाथ जी के परिसर में तोड़फोड़ के विरोध की मुहिम चण्डीगढ़ पहुंची : कार्यवाई के विरोध स्वरूप राम नाम का जाप किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। दिल्ली के झंडेवालान स्थित करीब 1400 साल पुराने ऐतिहासिक व पौराणिक मंदिर बाबा श्री पीर रतननाथ जी के परिसर में गत 29 नवंबर को हुई डीडीए और एमसीडी द्वारा की गई तोड़फोड़ की संयुक्त कार्रवाई को लेकर देश-विदेश में बसे हुए बाबा श्री रतननाथ जी के अनुयायियों में भारी रोष व्याप्त है तथा वे भारत के अलावा विदेशों में भी हर शहर में शांतिपूर्ण ढंग से पदयात्रा करके रोष मार्च निकाल रहे हैं। बड़ी बात ये है कि इन रोष मार्च में सभी धर्मों व समुदायों से जुड़े लोग बढ़चढ़ कर शामिल हो रहे हैं।

इसी सिलसिले में चण्डीगढ़ में भी बाबा श्री रतन नाथ जी के अनुयायियों ने भी आज शांतिपूर्वक अपना रोष व्यक्त किया। चण्डीगढ़ में हर श्री नाथ जी मंदिर गाँव किशनगढ़ मे स्थित है, जिसके साथ ट्राइसिटी के हजारों श्रद्धालुओं की आस्था जुड़ी हुई है।

हर श्री नाथ जी मंदिर, चण्डीगढ़ के प्रधान सुरेंद्र कुमार चोपड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि देश की राजधानी में झंडेवालान में स्थित हर श्री नाथ जी मंदिर पिछले 80 वर्षों से अस्तित्व में है और इसकी परंपरा लगभग 1400 वर्षों की प्राचीन गोरखनाथ परंपरा से जुड़ी मानी जाती है। उनका कहना है कि झंडेवालान में बुलडोजर से ध्वस्तीकरण के बाद भी श्रद्धालुओं का उत्साह और आस्था कम नहीं हुई।

सुरेंद्र कुमार चोपड़ा ने बताया कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी भी नाथ परम्परा से ही हैं व वे स्वयं मंदिर बाबा श्री पीर रतननाथ जी की गद्दी के बारे में में अपने विचार व्यक्त कर चुके हैं।

उन्होंने बताया कि गोरक्षनाथ जी नाथ परम्परा के पहले संत थे व उनके बाद बाबा श्री पीर रतननाथ जी उनकी परम्परा के वाहक हुए।

उन्होंने कहा कि ये अजीब विडंबना है कि पाकिस्तान में इतने बरसों बाद भी मंदिर मजबूती से कायम है व वहां भक्तों की सहूलियतों का भी पूरा ध्यान रखा जाता है, जबकि अपने देश भारत में सरकार मंदिर परिसर को सरंक्षण प्रदान करने में नाकाम साबित हुई।

भक्तों के मुताबिक झंडेवालान में कार्रवाई के दौरान तुलसी वाटिका, लंगर स्थल और कुछ निर्माणों को तोड़ा गया, जिससे श्रद्धालुओं में गहरी नाराजगी है। सेवकों का कहना है कि स्थल पर 16 वर्षों से अखंड राम नाम की ज्योति, हरे राम पाठ, दैनिक पूजन और लंगर सेवा निरंतर चल रही थी व आगे भी चलती रहेगी।

मंदिर में प्रतिदिन प्रातः आरती, सत्संग और राम नाम का जाप चलता है। हजारों श्रद्धालु दर्शन करते हैं। मंदिर प्रबंधन द्वारा लंगर, जल सेवा, गरीबों को कंबल वितरण, मेडिकल शिविर और गौशाला संचालन जैसी सेवाएँ वर्षों से चलाई जा रहीं हैं। तोड़े गए स्थल में रोजाना हजारों लोगों के लिए लंगर प्रसाद बनता था जोकि सेवा, भक्ति और समुदाय की पहचान थी। इसे तोड़ने से भक्तों की आस्था पर चोट पहुंची है।